जबलपुर
रविवार 26 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास 'शुक्ल पक्ष-12
- वर्ष : 21, अंक : 85
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 28
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

कारगिल विजय दिवस आज

जंतर मंतर पर जश्न

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान

हजारों लाठियों पर 'हजारों हौसले' पड़े भारी

जंतर-मंतर से देश को मिला नया मंतर- डरो मत, लड़ो

गए 'प्रधान'...खत्म हुआ 'घमासान'

कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर से ललकारा-झुकती हैं सरकारें...झुकाने वाला चाहिए

युवा क्रांति ने तोड़ी 'भ्रांति'

36 दिन का धरना...25 दिन का अनशन...21 छात्रों की खुदकुशी...करीब 90 छात्रों का खून बहा...तब जाकर झुकी सरकार...सीजेपी की तीनों मांगें मानी

दीपके ने प्रधान के इस्तीफे के बाद कहा कि यह तो शुरुआत है। ये पहला विकेट गिरा है। ये लोग अपने को बादशाह समझ बैठे थे। ये हमसे बादशाह हैं। इनको लाइन पर लाना जरूरी था और यह, इस देश के युवाओं ने कर दिखाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यंगिस्तान जिंदाबाद...राजनीति ये नारा पिछले 14 साल से लगा रही है। पर, इसी राजनीति ने इस यंगिस्तान को जंगिस्तान बना डाला। न नौकरियां। न आगे बढ़ने के अवसर। प्रतियोगी परीक्षाओं में करप्शन। प्रतिभाशाली युवा पीछे और करप्ट सिस्टम के लोग आगे। ये विचार जंतर मंतर पर 36 दिन से आंदोलनरत युवाओं के थे। 36 दिन पहले किसने सोचा था कि एक लड़का अभिजीत दीपके अमेरिका से आएगा और सिस्टम को पलट देगा। सीजेआई सूर्यकांत ने बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच क्या कहा। दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) खड़ी कर दी। भाजपा से ज्यादा उसके फॉलोअर्स हो गए। भारत के राजनेताओं को तब तक लग रहा था कि इन कॉकरोचों को हिट छिड़कर मारा जा सकता है। कांग्रेस और सारे विपक्षी दल देख रहे थे। केंद्र के मंत्री कह रहे थे कि ये अराजक लोग हैं। इनको लटका दो तो भाग जाएंगे। सत्ता पक्ष के मीडिया ने इस दौरान सत्ता का भारी नुकसान कर डाला। वे यही दिखाते रहे कि करीब 5 हजार की भीड़ है।

आंदोलन की समाप्ति की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई

प्रधान का इस्तीफा मंजूर, जोशी संभालेंगे अतिरिक्त प्रभार

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया है। वहीं उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

कांग्रेस का बड़ा हमला

- प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया। उनको युवाओं ने बर्खास्त किया है। देश के युवा पीएम नरेंद्र मोदी के फ्रेंड नहीं

भाजपा का स्पष्टीकरण

- पीएम को देश के युवाओं की चिंता। इसलिए, उनकी सभी मांगों को माना गया। विपक्ष इस पर राजनीति न करे

कॉकरोच जनता पार्टी की ये थी 3 मांगें

1. धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा
2. खुदकुशी करने वाले छात्रों के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा
3. प्रदर्शनकारी छात्रों से सभी राज्यों में केस वापस लिए जाएं

- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दो पन्नों का इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा, इस्तीफा स्वीकार
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था- ये एनडीए सरकार है, यूपीए सरकार नहीं, यहां मंत्रियों के इस्तीफे नहीं होते
- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था- 3-4 कॉकरोचों को लटका दो, ये दुम दबाकर भाग जाएंगे, इनको हमारी ताकत नहीं पता, हम किस हद तक जा सकते हैं
- भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा था- ये कॉकरोच नहीं, समाज के वायरस हैं। इनको समाज से भगा देना चाहिए

क्यों रुका था इस्तीफा?

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने जैसे ही कहा कि युवाओं से संवाद कीजिए, विवाद नहीं, सरकार में हलचल तेज हुई और धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार दोपहर सीजेपी और सरकार से बातचीत के तीसरे दौर से घंटा भर पहले ही इस्तीफा दे दिया। माना जा रहा है कि संघ की हरी झंडी न मिलने से यह इस्तीफा रुका हुआ था

अब आगे क्या?

- अब विपक्ष और हमलावर होगा। क्योंकि, उसे युवाओं का साथ मिल गया है
- ई-20 पेट्रोल पर नितिन गड़करी को विपक्ष निशाने पर ले सकता है
- परिसीमन व महिला आरक्षण बिल को पास कराना सरकार के लिए मुश्किल होगा

ये 36 दिन

6 जून को दिल्ली एयरपोर्ट पर बाबा साहेब की तस्वीर के साथ

युवाओं के साथ जंतर मंतर पर धरना शुरु किया

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अनशन शुरु किया

दुखी मन से पुलिस के पैरों में गिरे दीपके

लाठी चार्ज हुआ और सांसद राहुल को उठा लिया गया

दीपके की मां अनीता के निकले खुशी के आंसू, बोलीं हो गई जीत

देश के कई शहरों से लोगों ने ऑनलाइन खाना भिजवाया

सीजेपी ने कहा

सभी प्रदर्शनकारी घर लौट जाएं

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं।

प्रधान ने बदला बायो

कहा-10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है।

इससे पहले संघ प्रमुख डॉ.भागवत बोले

नई पीढ़ी को आदेश न दें उनसे बातचीत करें

आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले

पीएम मोदी मांगें माफी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीजेपी आंदोलन की सफलता को छात्रों की जीत बताते हुए धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत किया।

सोनम वांगचुक बोले

यह लोकतंत्र और शांतिपूर्ण जनआंदोलन की जीत

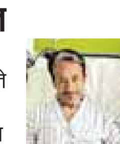

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने विक्ट्री साइन दिखाते हुए इस्तीफे को लोकतंत्र और शांतिपूर्ण जनआंदोलन की जीत करार दिया है।

'हरिभूमि' कवरेज में रहा सबसे आगे

'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति' विषय पर वाराणसी में व्याख्यान

डॉ. द्विवेदी ने कहा- शिक्षा में हो रहे नीतिगत बदलाव ही मनुष्य को संवेदनशील बनाएंगे

जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों को विस्तार न दे सके वह व्यर्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ वाराणसी

अतिथि विद्वानों के साथ डॉ. द्विवेदी

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्रद्वारा शब्दन फाउंडेशनके सहयोगसे 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा' नीति विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि 'हरिभूमि' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी व मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह (पशुपालन विभाग, बीएचयू) थे।

शिक्षा की अवधारणा संस्कारों के बगैर अधूरी

स्वागत वक्तव्य और विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरु प्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार के अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को आत्मसात करना चाहते हैं वो संस्कारों के बगैर अधूरी है।

दतिया विधानसभा क्षेत्र के उदगवां में सीएम डॉ. यादव ने किया खुलासा

कई कांग्रेस नेताओं ने फोन कर बताया कि हमसे गलती हो गई, कांग्रेस तो डूबता जहाज है, इसमें कौन बैठेगा ?

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की तुलना बेशरम और गाजर घास से की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दतिया को विकास के मामले में प्रदेश का नंबर-1 क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा ने दतिया में विकास कार्यों की शुरुआत की थी, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद विकास का पहिया थम गया। यह उपचुनाव दतिया के विकास को फिर से गति देने का मौका है। मुख्यमंत्री शनिवार को दतिया उप चुनाव में चुनाव सभा का संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दतिया में कई जगहों पर चुनाव प्रचार किया।

सीएम डॉ. यादव दतिया में चुनाव सभा संबोधित करते हुए

कांग्रेसी नेता हमारे देवी-देवताओं से नफरत करते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी नेता हमारे देवी-देवताओं से नफरत करते हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर बन गया, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी कभी दर्शन करने मंदिर नहीं गए। उनकी पार्टी ने पहले भगवान के जन्म को लेकर सवाल खड़े किए। कांग्रेसी भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से खुद को दूर रखते हैं। हमारी सरकार चित्रकूट को भव्य तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेगी।

कांग्रेस पर लगाया किसानों और युवाओं की अनदेखी का आरोप

डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस पर किसानों और युवाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक झूठ और फरेब की राजनीति की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जो वादा करती है।

प्रधान का इस्तीफा, बोले- युवाशक्ति देश की असली ताकत, 4 दशकों से छात्रहित में काम किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। नीट पेपर लीक मामले में देशभर के छात्र पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। जंतर-मंतर पर आंदोलन में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स हिस्सा ले रहे। छात्रों की पहली डिमांड शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा थी। प्रधान ने शनिवार दोपहर को मंत्रिपद से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि युवाशक्ति ही देश की असली ताकत है और पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम को देखकर मन दुखी हो गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में प्रधान ने कहा कि मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक

युवाओं का सम्मान करता हूं

मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई

उन्होंने कहा, 3 मई 2026 को नीट यूजी की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।''इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसमें सभी का सहयोग रहा।

पत्र जारी कर कही अहम बातें

लंबे समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए 'लड़ा'

प्रधान ने एक पत्र जारी कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी है। उन्होंने पत्र में कहा है कि वह पिछले 4 दशक से भी अधिक वक्त से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। वह देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी अपेक्षाओं का सम्मान करते हैं और भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के सामाजिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

पीएम मोदी का जताया आभार : प्रधान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो मौका उन्हें मिला उसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं

सीबीटी मोड में परीक्षा कराने का फैसला: धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि 3 मई, 2026 को हुई नीट यूजी की परीक्षा में गड़बड़ियां पाई गई, केंद्र सरकार ने इसका संज्ञान लिया और जांच सीबीआई को सौंप दी।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सत्तापक्ष और विपक्ष ने दी अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं

भाजपा ने व्यापक हितों को प्राथमिकता, ईमानदारी के मापदंडों पर पद छोड़ने की बात कही, वहीं विपक्ष ने अपनी 'एकजुटता' को जीत का कारण बताया

नबीन ने एक्स पर लिखा कि प्रधान ने भारत के शिक्षा में सुधार लाने और ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अन्य पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में अहम भूमिका निभाई तो विपक्ष ने कहा हमने संसद से सड़क तक छात्रों के हित में मांग उठाई, हालांकि श्रेय की होड़ लगी है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उनके इस कदम का समर्थन किया है। नबीन ने एक्स पर लिखा कि प्रधान ने भारत के शिक्षा में सुधार लाने और ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अन्य पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में अहम भूमिका निभाई है। व्यापक हितों को प्राथमिकता देते हुए उनका पद छोड़ने का निर्णय सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के उच्चतम मानदंडों को दर्शाता है। पार्टी प्रधान के साथ मजबूती से खड़ी है। मैं उनके भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

खास बातें

- विपक्ष को सबसे पहले संसद में चर्चा करनी थी
- सरकार ने उन्हें ईमानदार और समर्पित बताया

विपक्ष की रुचि हंगामा में, चर्चा करने में नहीं: सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार संसद में चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष एक मांग पूरी होने के बाद नई शर्तें रख रहा था और असल में चर्चा में दिलचस्पी नहीं ले रहा था। उन्होंने विपक्ष के रवैए पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी मंशा सिर्फ हंगामा करने की है, वे सरकार से जवाब मांगने या सार्थक चर्चा करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

विपक्ष ने सरकार की हार बताया

अहंकारी सत्ता की हार, माफी मांगें: खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के 'छात्रों की आवाज' आखिरकार उस अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंच ही गई है। यह हमारे उन लाखों युवाओं की जीत है जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए देश भर की सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाई। यह सच की जीत है और मोदी की जिद की हार है। यह सरकार भ्रष्ट है। यह एकजुट विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हित में संसद से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज उठाई। वे हमारी युवा पीढ़ी से माफी मांगें।

और तानाशाही नहीं चलेगी: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब तानाशाही नहीं चलेगी।

इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई: केजरीवाल

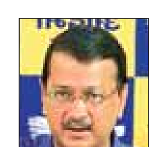

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर कर लिखा, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई।

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को झुकाया

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी की एक बड़ी जीत है। यह युवाओं की एक बड़ी जीत है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को झुका दिया। अब परीक्षाएं सही ढंग से चलेंगी।

मोदी और शाह अजेय नहीं...

शिवसेना के नेता संजय राउत ने प्रधान के इस्तीफे को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला है। राउत ने एक्स पर सीजेपी के प्रदर्शन की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि प्रधान ने इस्तीफा दिया, मोदी और शाह अजेय नहीं हैं... वे भी जाएंगे!

सेलेब्स ने कहा

सभी को बधाई, जिन्होंने सहयोग दिया: प्रकाश

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर खुशी का इजहार करते हुए अभिनेता प्रकाश राज ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा 'मेरे प्यारे कॉकरोचेस, सोनम वांगचुक सर और उन सभी लोगों को बधाई जिन्होंने युवाओं का साथ दिया।

पुलिस ने दी सारी जानकारी

2000 क्रिमिनल, 15 एफआईआर और 130 पुलिसकर्मी घायल

दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम की मदद ली गई।

इस आधुनिक प्रणाली से 2000 से अधिक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की पहचान की गई है। ये प्रदर्शनकारी भीड़ में घुस गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना था। इस दौरान 130 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अब तक 15 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से हुई पहचान

इस दौरान पुलिस ने आधुनिक फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। इस तकनीक से भीड़ में मौजूद संदिग्ध चेहरों को पहचाना गया। सिस्टम ने हजारों लोगों के डेटाबेस से मिलान किया। इससे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की सटीक पहचान संभव हो पाई। इसकी जांच की जा रही है।

जंतर- मंतर पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव

हंगामा, पथराव और पानी की बोतल फेंकी, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, किया लाठीचार्ज

जंतर-मंतर पर दोपहर में एक बार फिर से प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव का माहौल हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया पुलिस और आरएएफ की टीम ने आंसू गैस के गोले छोड़े। लाठीचार्ज भी किया।

खबर संक्षेप

अभिषेक जेल गए तो नहीं निकल पाएंगे: सुवेंदु

कोलकाता। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल सांसद अभिषेक बेनर्जी को फिर निशाना बनाया। उन्होंने विधानसभा में अभिषेक के 'सेवाश्रय' से संबंधित कई गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घोटाले की जांच होने पर अभिषेक को जेल भेजा जाएगा।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक का सरगना अरेस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर लीक का कथित मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता कई महीनों तक फरार रहने के बाद आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। महाराष्ट्र पुलिस ने बिजेंद्र गुप्ता को बिहार से गिरफ्तार किया है। ठाणे पुलिस ने शनिवार को बिहार से गिरफ्तार किया है।

बाल पुरस्कार के लिए 31 तक होंगे आवेदन

लखनऊ। सिखों के अंतिम और दसवें गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों के बलिदान दिवस पर मेधावियों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया जाएगा। 26 दिसंबर को राष्ट्रपति बाल मेधावियों को पुरस्कृत करेंगी। 31 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। 5-18 आयु वर्ग के मेधावी आवेदन करें।

करंट लगने से 3 पैसेंजर्स की मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक सड़क हादसे में 3 लोगों की जान चली गई. शनिवार सुबह एक ऑटो अनियंत्रित होकर पहले पानी के गड्ढे में जा घुसा। तभी बिजली के तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से 3 लोगों की मौत हो गई।

महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू

पुरी ने ऊर्जा सुरक्षा की मजबूत नींव बताया संसाधनों की खोज, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी

10 वर्षों के दूरदर्शी सुधारों का परिणाम दिखाई दे रहा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में 'एक नए अध्याय की शुरुआत; बताया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले एक दशक में किए गए दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है, जिसने देश के एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाया है। महानदी ऑफशोर बेसिन में शुरू किया गया 'एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी' अप्रेजल वेल चार प्रस्तावित डीपवॉटर वेल में पहला है। इन कुओं से देश के ऑफशोर बेसिन में से एक का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा। इस ड्रिलिंग कार्यक्रम में अत्याधुनिक डीपवॉटर ड्रिलिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे नए हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज और घरेलू उत्पादन क्षमता

आयात निर्भरता घटाने पर जोर

पुरी ने कहा कि ड्रिलिंग का हर मीटर हमें आयात पर निर्भरता कम करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और विकसित भारत के विजन को साकार करने के और करीब ले जाएगा।

कंपनियों ने पूरी संरचना को ही बदल दिया

पुरी ने कहा कि 10 वर्षों में सरकार ने ऐतिहासिक नीतिगत और नियामकीय सुधारों के जरिए एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र की पूरी संरचना को बदल दिया है। उन्होंने ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स, तकनीकी साझेदारों और इस क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई देते हुए विश्वास जताया।

बड़े निवेश की प्रतिबद्धता मिली

पुरी ने बताया कि ओएएलपी के तहत अब तक लगभग 3.8 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 172 एक्सप्लोरेशन ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें 4.3 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है।

पिछले दशक के सुधारों का किया उल्लेख

पुरी ने हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पॉलिसी , नामांकन आधारित व्यवस्था के स्थान पर ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम, पारदर्शी रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल और पहले प्रतिबंधित रहे लगभग 99फीसदी ऑफशोर 'नो-गो' क्षेत्रों को एक्सप्लोरेशन के लिए खोलने जैसे प्रमुख सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत के कुल सक्रिय एक्सप्लोरेशन एकरेज का 81% आवंटित किया गया है।

वैश्विक शिपबिल्डिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

सरकार ने 69,725 करोड़ रुपए की योजना मंजूर की

केंद्र सरकार ने देश के जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने 69,725 करोड़ के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाना, समुद्री क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना और भारत को वैश्विक शिपबिल्डिंग हब के रूप में स्थापित करना है। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि शिपयार्ड की लागत को वैश्विक शिपयार्ड के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 24,736 करोड़ की स्कीम को मंजूरी दी गई है।

25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड

पैकेज के तहत 25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड भी स्थापित किया जाएगा। इससे जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस फंड में 20,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम इन्वेस्टमेंट फंड और 5,000 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट इंसेंटिवाइजेशन फंड शामिल है।

कोरबा कार्बन फैक्ट्री में ब्लास्ट

30-40 मजदूरों ने भागकर बचाई जान, 8 दमकलों ने पाया काबू

एजेंसी ⏭ कोरबा

जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित कार्बन फैक्ट्री में शनिवार दोपहर बायलर फटने से हड़कंप मच गया। इससे फैक्ट्री के भीतर भीषण आग लग गई। घटना के समय फैक्ट्री में 30-40 मजदूर काम कर रहे थे। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही मजदूरों में भगदड़ मच गई और सभी ने भागकर अपनी जान बचाई।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पूरा इलाका काले धुएं से भर गया। धुएं के साथ केमिकल की तेज बदबू और जलन भी महसूस की जा रही थी। इससे आसपास के रहवासियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही नगर सेना की दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग किस कारण से लगी इसकी जांच की जाएगी। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है।

बुझाने में 3 घंटे की मशक्कत करनी पड़ी

आग पर काबू पाने के लिए करीब 3 घंटे तक लगातार मशक्कत करनी पड़ी। लगभग 8 दमकल वाहनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कूलिंग का काम भी लगातार जारी रखा गया ताकि आग दोबारा न भड़के। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने फैक्ट्री के आसपास के इलाके को तत्काल सील कर दिया। ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

फैक्ट्री वाले इलाके को किया सील

सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया है। आम लोगों के प्रवेश और वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर लोगों को सुरक्षित दूरी पर रोक रखा है।

अगले महीने से बदल जाएगा नियम

अब केवाईसी 2.0 में बगैर डॉक्यूमेंट्स के खुलेंगे खाते

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय बैंक और इंश्योरेंस कंपनियां अगस्त में एक कॉमन कस्टमर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू करेंगी, जिसमें बाद में एसेट मैनेजर भी शामिल होंगे। इससे ग्राहकों को अलग-अलग पहचान दस्तावेज जमा किए बिना फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। इस नए सिस्टम को 'सेंट्रल नो-योर-कस्टमर 2.0' कहा जाएगा।

इसकी मुख्य बातें

- बैंक या बीमा कंपनी में नया खाता खोलने के लिए आपको बार-बार पहचान पत्र या पते का सबूत नहीं देना होगा।
- वित्तीय संस्थान सेंट्रल रजिस्ट्री से आपका सत्यापित डेटा सीधे ले सकेंगे।
- डेटा लेने के लिए संस्थानों को केवल आपके वन-टाइम पासवर्ड सहमति की आवश्यकता होगी।

प्रधानमंत्री आज वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रतिभागियों से करेंगे संवाद

सामाजिक, सांस्कृतिक व रणनीतिक महत्व की जानकारी मिलेगी

प्रश्नोत्तरी में 3 लाख से अधिक युवाओं ने लिया चयन प्रक्रिया में हिस्सा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। इसमें 400 से अधिक युवा शामिल होंगे, जिनका चयन राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के जरिए किया गया था। माय भारत के माध्यम से संचालित विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का आयोजन 4 जून से 30 जून तक दो चरणों में किया गया।

इसमें 400 से अधिक युवा शामिल होंगे माय भारत कर रहा संचालन

74 सीमावर्ती गांवों से युवाओं को मिला जुड़ने का अवसर

कार्यक्रम के तहत लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट सीमावर्ती गांवों को शामिल किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक, सांस्कृतिक विकासात्मक परिवेश से जोड़ना तथा उन्हें इन गांवों के रणनीतिक महत्व से परिचित कराना था।

विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया

प्रतिभागियों ने स्थानीय समुदायों के साथ रहकर स्वच्छता अभियान, सरकारी योजनाओं पर जागरूकता अभियान, युवा सम्मेलन आदि में हिस्सा लिया।

'देश के पहले गांव' बनाने की पहल

यह प्रोग्राम प्रधानमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसमें सीमावर्ती गांवों को 'देश के पहले गांव' के रूप में विकसित करने और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाने पर जोर दिया गया है। युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों की सारी जानकारी मिलेगी।

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर सजा-धजा कारगिल युद्ध स्मारक

द्रास में कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ

वीर बलिदानियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

समारोह की शुरुआत शनिवार को लामोचन व्यू प्वाइंट पर युद्ध संस्मरण कार्यक्रम से हुई, जहां कारगिल युद्ध और ऑपरेशन विजय में भारत की जीत को याद किया गया। इस दौरान एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से युद्ध की वीर गाथाओं को दिखाया गया

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करने के लिए द्रास में कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सेना ने शनिवार से दो दिवसीय समारोहों की शुरुआत की, जिसमें युद्ध संस्मरण, शौर्य संध्या और श्वेत अश्व मोटरसाइकिल प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र द्रास स्थित ऐतिहासिक कारगिल युद्ध स्मारक रहेगा। इसके अलावा द्रास सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र सैंडो टॉप समेत कई स्थानों पर भी श्रद्धांजलि और स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आज रक्षा मंत्री 40 वीरों के बलिदान को देंगे श्रद्धांजलि

वीर गाथाएं दिखाईं

समारोह की शुरुआत शनिवार को लामोचन व्यू प्वाइंट पर युद्ध संस्मरण कार्यक्रम से हुई, जहां से ऐतिहासिक कारगिल युद्धक्षेत्र का नजारा दिखता है। इस गरिमापूर्ण समारोह में कारगिल युद्ध के नायकों की वीरता, सर्वोच्च बलिदान और अटूट जज़्बे को सम्मान दिया गया। इस दौरान एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से युद्ध की वीर गाथाओं को दिखाया गया। शनिवार शाम को कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित होने वाली 'शौर्य संध्या' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

जवानों को सम्मानित किया

'फॉरएवर इन ऑपरेशन्स डिवीजन' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमित प्रकाश सिंह ने सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, वीर माताओं और सेवारत सैनिकों के साथ मिलकर इन बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। कारगिल नायकों के परिजनों को सम्मानित किया गया। साहस, देशभक्ति और बलिदान से जुड़ी उनकी दिल को छू लेने वाली यादों ने वहाँ मौजूद सभी लोगों को भावुक कर दिया और कारगिल नायकों की गौरवशाली विरासत को फिर से रेखांकित किया।

कारगिल युद्ध स्मारक पर होगा कार्यक्रम

रविवार को कारगिल युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा जहां बलिदान जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद गौरव गाथा के माध्यम से भारतीय सेना के साहस, बलिदान और विजय की कहानी को याद किया जाएगा। बता दें, कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को 1999 के ऑपरेशन विजय की सफलता और कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम देश के वीर जवानों के साहस, त्याग और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को श्रद्धांजलि देते हैं।

मोटरसाइकिल दल का शानदार प्रदर्शन

द्रास के विश्वनाथन स्टेडियम में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कारगिल युद्ध के वीर जवानों के बलिदान और साहस को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में सेना, स्थानीय कलाकारों और छात्रों ने भाग लिया, जबकि हजारों लोगों ने वीर बलिदानियों को नमन किया। लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बैंड की देशभक्ति प्रस्तुति और सेना के 'श्वेत अश्व' मोटरसाइकिल दल का शानदार प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा।

खबर संक्षेप

सीरिया में दो बसों के बीच टक्कर, 35 की मौत

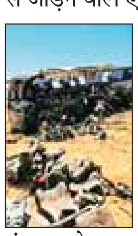

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क को पूर्वी प्रांत दीर अल जूर से जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर दो बसों के बीच टक्कर के कारण कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि यात्री बस और गृह मंत्रालय की बस के बीच हुई इस टक्कर में लगभग 30 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर जारी बचाव अभियान में सीरियाई सेना के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

यौन उत्पीड़न में आईसीसी के करीम खान हटाए गए

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के सदस्य देशों ने शुक्रवार को मुख्य अभियोजक करीम खान को पद से हटाने के लिए मतदान किया। आईसीसी के 125 सदस्य देशों ने महिला सहायक से यौन उत्पीड़न के दोषी करीम खान को हटाया। यह पहला मौका है, जब किसी मुख्य अभियोजक को निकाला गया है। 56 वर्षीय खान ने आरोप का लगातार खंडन किया है। अदालत की निगरानी संस्था ने अपनी रिपोर्ट में खान को गंभीर दुराचार का दोषी पाया था।

मचैल माता यात्रा स्थगित 28 को फिर शुरू होगी

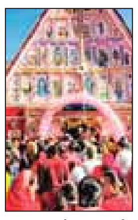

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में हर वर्ष आयोजित होने वाली मचैल माता यात्रा को खराब मौसम के कारण तीन दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि अब यह यात्रा 28 जुलाई से शुरू होगी लेकिन यह भी मौसम की अनुकूल स्थिति पर निर्भर करेगा। यात्रा को सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित करने के लिए जिला प्रशासन ने तय किया है कि श्रद्धालुओं को सुबह 5 बजे से शाम पांच बजे के बीच ही यात्रा करने की अनुमति होगी। प्रतिदिन अधिकतम 8,000 श्रद्धालुओं को ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर विश्व के मीडिया ने दी प्रतिक्रिया

सरकार ने आंदोलन को नजरअंदाज किया ये सब पहले ही हो जाता तो तमाशा न होता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की मांग को पूरा करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो गया है। उनके इस्तीफे की मांग करते हुए सीजेपी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही थी। जब से सीजेपी का यह प्रदर्शन नई दिल्ली में शुरू हुआ है, इसकी विश्व मीडिया लगातार कवरेज करता आया है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को न्यूयॉर्क टाइम्स, बीबीसी, सीएनएन, अल जजीरा, द गार्डियन और डॉन समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने भी टॉप स्टोरीज में जगह दी है। इस्तीफे के बाद बीबीसी ने लिखा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से पीएम मोदी सरकार आम तौर पर विरोध प्रदर्शनों के प्रति सख्त रुख अपनाती रही है और शायद ही कभी किसी बड़े आंदोलन के आगे झुकी हो। इससे पहले मोदी सरकार ने सिर्फ एक बड़े मामले में अपना फैसला वापस लिया था, जब करीब एक साल तक चले किसान आंदोलन के बाद तीनों कृषि कानूनों को रद्द करना पड़ा था।

> बीबीसी ने मीडिया रिपोर्ट में लिखा कि इस बार सरकार को अंदाजा नहीं था कि छात्र आंदोलन इतना बड़ा और लंबा चलेगा। शुरुआत में कई हफ्तों तक आंदोलन को नजरअंदाज किया गया, लेकिन इस सप्ताह संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की सख्ती के बाद देशभर में तीखी प्रतिक्रिया हुई और सरकार पर दबाव काफी बढ़ गया

ये भी बोला वर्ल्ड मीडिया

- भारत में चल रहा छात्र आंदोलन सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बना
- आंदोलन के जरिए युवाओं ने बेरोजगारी और सरकार की जवाबदेही पर दिखाया गुस्सा

सीजेपी के रूप में युवाओं का नया नेतृत्व उभराः द गार्डियन

वहीं द गार्डियन ने लिखा कि भाजपा के 12 साल के शासन में यह पहली बार है, जब पीएम मोदी के सबसे करीबी और भरोसेमंद मंत्रियों में से एक को सार्वजनिक दबाव के कारण इस्तीफा देना पड़ा है। इनका नेतृत्व नए बने युवा राजनीतिक सीजेपी ने किया। इस सप्ताह यह आंदोलन देशभर में युवाओं के बड़े विरोध प्रदर्शन में बदल गया। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिलते ही दिल्ली में जुटे हजारों सीजेपी समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने जश्न मनाया और इसे सरकार से जवाबदेही की अपनी मांग की बड़ी जीत बताया।

परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग ने छीनी कुर्सी

सीएनएन ने बताया कि भारत में लगातार बढ़ते छात्र आंदोलन के दबाव में धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। पिछले कई दिनों से हजारों छात्र उनके इस्तीफे और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। जो आंदोलन शुरुआत में एक मीम के रूप में शुरू हुआ था, वह धीरे-धीरे देशभर में फैल गया।

'कॉकरोच' की जीत, शिक्षा मंत्री का इस्तीफाः द डॉन

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार द डॉन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की।

भारत में छात्र आंदोलन की बड़ी जीतः अल जजीरा

अज जजीरा ने लिखा कि छात्रों के आंदोलन के दबाव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। हाल के वर्षों में यह मोदी सरकार के खिलाफ सबसे बड़े छात्र आंदोलनों में से एक रहा। इस आंदोलन के जरिए युवाओं ने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सरकार की जवाबदेही जैसे मुद्दों पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

आंदोलन सरकार के लिए बड़ी चुनौतीः न्यूयॉर्क टाइम्स

न्यूयॉर्क टाईम्स ने लिखा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। भारत में चल रहा छात्र आंदोलन सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया था।

इस आंदोलन की अगुआई खुद को 'कॉकरोच' कहने वाले छात्र समूह कर रहे थे। यह नाम भारत के चीफ जस्टिस की कथित अपमानजनक टिप्पणी से प्रेरित था। यह संगठन शुरुआत से ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा मांग रहा था।

भारत-तंजानिया के बीच हुई बातचीत

व्यापार, निवेश, रक्षा में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

> अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोनों देश सहयोग बढ़ाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और तंजानिया ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और विकास सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दार एस सलाम में आयोजित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारत और तंजानिया के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 22 जुलाई 2026 को तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्व एवं दक्षिणी अफ्रीका) जनेश काइन और तंजानिया के विदेश मामलों एवं पूर्वी अफ्रीकी सहयोग मंत्रालय के एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया विभाग की निदेशक फेलिस्टर रुगाम्बवा ने की।

रक्षा समिति की बैठक जल्द होगी

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान व्यापार एवं निवेश, विकास सहयोग, रक्षा एवं सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, स्वास्थ्य, संस्कृति तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक जल्द आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी दोनों देशों ने अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और तंजानिया ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के साथ बेहतर समन्वय और सहयोग की सराहना की। दोनों देशों ने यह भी सहमति जताई कि विदेश कार्यालय परामर्श का अगला दौर आपसी सुविधा के अनुसार भारत में आयोजित किया जाएगा।

यूएस सांसदों ने जताया जासूसी का खतरा

एआई-रोबोटिक्स में चीन की बढ़त रोकने बिल पर सुनवाई

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसदों के एक समूह ने इस सप्ताह एक ऐसे विधेयक को आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य चीन में निर्मित मानव जैसे और चार पैरों वाले रोबोट को अमेरिका के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का हिस्सा बनने से रोकना है।

सीनेटरों ने चेतावनी दी कि बीजिंग उसी रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है, जिसका सहारा लेकर उसने वैश्विक ड्रोन बाजार में अपना दबदबा बनाया था। उनका कहना है कि इंटरनेट से जुड़े ऐसे चीनी रोबोट का इस्तेमाल भविष्य में जासूसी और महत्वपूर्ण प्रणालियों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की एनर्जी एंड कॉमर्स कमेटी की कम्युनिकेशंस एंड टेक्नोलॉजी सब कमेटी में 'गार्ड एक्ट' नाम के इस प्रस्तावित विधेयक पर सुनवाई हुई। इस दौरान संचार सुरक्षा, एआई, ब्रॉडबैंड विस्तार और अवैध रोबोकॉल से जुड़े कई विधेयकों पर भी चर्चा की।

पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया गर्व

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ 'सारनाथ'

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

यूपी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व वाले सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। इस उपलब्धि पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और उपराष्ट्रपति ने इसे पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया है।

यूनेस्को ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए घोषणा की कि भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को आधिकारिक रूप से विश्व धरोहर सूची में शामिल किया

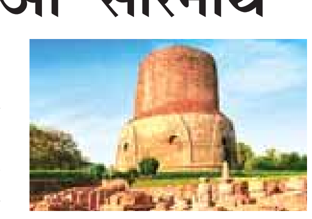

गया है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने यूनेस्को की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

फ्रांस और स्पेन में बेकाबू हुई जंगल की आग

ढाई लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

एजेंसी ▶▶ पेरिस

दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस और मध्य स्पेन में जंगल की भीषण आग के कारण लगभग 2,57,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा। फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, गिरोंडे और लैंडेस इलाके में लगी आग की वजह से 1,97,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा है। स्पेन के गृह मंत्रालय के मुताबिक, मध्य स्पेन में 60,000 लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

हवाई जहाज से आग बुझाने का प्रयास

कार्गो विमान की ली गई मदद

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि पश्चिमी फ्रांस के गिरोंडे इलाके के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए खासतौर से तैयार किए गए एक बड़े कार्गो विमान ए400एम का इस्तेमाल शुरू किया है। इस विमान के जरिए केमिकल (फ्लेम रिटार्डेंट) गिराकर आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

बोर्डो शहर के करीब पहुंची आग

मंत्री नुनेज ने बताया कि आग के बोर्डो के और करीब पहुंचने का खतरा पैदा हो रहा है। इसलिए फायर ब्रिगेड की टीमें खाइयां खोद रहे है और आग बुझाने वाले केमिकल का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग को रोकने के लिए दूसरे उपाय भी कर रहे हैं। सरकार ने आग से निपटने के लिए सैनिकों को तैनात किया और दम घोंटने वाले धुएं से बचाव के लिए 15 लाख फेस मास्क भेजे हैं।

यूएस अदालत से एच-1बी वीजा शुल्क पर ट्रंप को झटका

> निचली अदालत पहले ही आदेश रद्द कर चुकी है

1 लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क रद्द करने का आदेश रखा बरकरार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका के बोस्टन स्थित प्रथम सर्किट अपीलीय अदालत की तीन जजों की पीठ ने अमेरिकी जिला जज लियो टी. सोरोकिन के 8 जून के फैसले पर रोक लगाने की ट्रंप प्रशासन की मांग खारिज कर दी। निचली अदालत ने इस शुल्क को कांग्रेस (संसद) की मंजूरी के बिना लगाया गया गैरकानूनी कर बताया था। निचली अदालत ने एच-1बी वीजा पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क रद्द करने का आदेश दिया था।

ट्रंप प्रशासन की मांग खारिज की

पीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में कहा, हम इस अदालत में अपील लंबित रहने तक जिला अदालत के 8 जून के आदेश और उससे जुड़े फैसले पर रोक लगाने की प्रतिवादियों की मांग खारिज करते हैं। जजों ने 20 डेमोक्रेट शासित राज्यों की इस दलील से सहमति जताई कि यहां सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस ऐसा अधिकार दे सकती है या नहीं। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस ने वास्तव में ऐसा अधिकार दिया भी है।

3 साल तक रोक लगाने की तैयारी में ट्रंप

अमेरिका की सीनेट में एक सांसद ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें तीन साल तक नए एच-1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने की मांग की गई है। मोंटाना से रिपब्लिकन सांसद टिम शीही ने यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ऐसे वीजा जारी नहीं करने चाहिए, जिनसे अमेरिकी कर्मचारियों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाने में आसानी हो।

शिक्षा, जनसेवा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में योगदान को सराहा

> बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज से मिली उपाधि

रोमानिया में राष्ट्रपति मुर्मू को मानद डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रोमानिया की बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज से मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद कहा कि शिक्षा उनके जीवन में परिवर्तन लाने वाली सबसे बड़ी शक्ति रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज में समान अवसर प्रदान करने का सबसे प्रभावी माध्यम है और यह व्यक्ति की पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि उसकी मेहनत और आगे बढ़ने की इच्छा को महत्व देती है।

शिक्षा ने बदली मेरे जीवन की दिशा

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म एक छोटे से गांव में सीमित संसाधनों वाले परिवार में हुआ था। वह अपने गांव से कॉलेज जाने वाली पहली लड़की थीं। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने मुझे किसी भी किताब से अधिक यह सिखाया कि शिक्षा सबसे बड़ा बराबरी का माध्यम है।

शिक्षा से पूरा समाज प्रभावित

राष्ट्रपति ने अपने शिक्षक के रूप में बिताए समय को याद करते हुए कहा कि एक साधारण-सी कक्षा भी किसी परिवार और पूरे समुदाय का भविष्य बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका सकारात्मक असर पूरे समाज पर पड़ता है।

दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध

राष्ट्रपति मुर्मू को शिक्षा, जनसेवा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विश्वविद्यालय के सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान, मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के रेक्टर, सीनेट और पूरे शैक्षणिक समुदाय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह यह सम्मान 1.4 अरब भारतीयों की ओर से विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर रही हैं। भारत और रोमानिया के लोगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक बताया। आज जब एआई और विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तब विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। ज्ञान के साथ-साथ समझदारी, नैतिकता और इंसानियत को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।

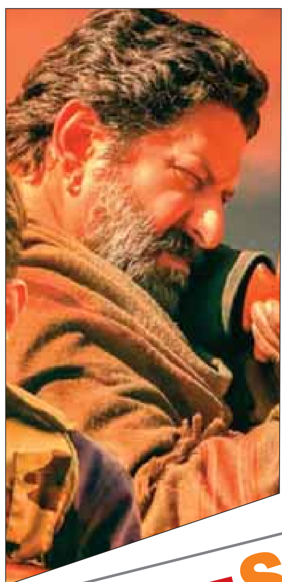

प्रतीक गांधी की फिल्म 'घमासान' का टीजर जारी

मुंबई। जी5 ने अपनी ओरिजनल फिल्म 'घमासान' का ऐलान किया है, जिसमें प्रतीक गांधी मुख्य किरदार में हैं। तिग्मांशु धूलिया द्वारा निर्देशित इस क्राइम एक्शन-ड्रामा में अरशद वारसी खलनायक 'महाराज' के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो और गोल्डन रेशियो फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी मध्य भारत के बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी (प्रतीक) और खूंखार डाकू सरगना (अरशद) के बीच आपसी टकराव पर आधारित है। इसका टीजर राजनीति, जातिगत समीकरण, अपराध, डर और सत्ता के दबदबे की झलक प्रस्तुत करता है। इसमें कानून और अपराध के बीच की सीधी टक्कर दिखाई गई है।

लाइफ Style

साई फिल्म का पहला भाग दिवाली पर

मणिरत्नम की अनाम फिल्म में साई के साथ मुख्य किरदार में विजय सेतुपति नजर आएंगे। हाल ही में अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कोलकाता यात्रा का वीडियो साझा करके फैंस के बीच उत्साह जगा दिया।

एजेंसी ⏭ मुंबई

रणबीर कपूर की पौराणिक फिल्म 'रामायण' में साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म का पहला भाग दिवाली, 2026 के अवसर पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगा, जिसका इंतजार हर किसी को है। ताजा खबर है कि अब साई अपनी अगली परियोजना में जुट गई हैं, जिसका निर्माण दिग्गज निर्माता मणिरत्नम कर रहे हैं। फिल्म का नाम तय नहीं है, लेकिन परियोजना का ऐलान इसी साल एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए किया गया था।

विजय सेतुपति के साथ साई ने शुरू की शूटिंग : मणिरत्नम की अनाम फिल्म में साई के साथ मुख्य किरदार में विजय सेतुपति नजर आएंगे। हाल ही में अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कोलकाता यात्रा का वीडियो साझा करके फैंस के बीच उत्साह जगा दिया। बताया जा रहा है कि साई और विजय शूटिंग के लिए शहर में पहुंचे हैं। हालांकि पहले उन्होंने चेन्नई में कलाकारों के साथ कई कार्यशालाओं में भाग लिया था। इससे पहले फिल्म की शूटिंग जून में होने की खबर भी आई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म को रिलीज से पहले ही बड़ा डिजिटल सौदा मिल चुका है।

हॉलीवुड मसाला

एबेनेजरः ए... से आई पहली झलक

लॉस एंजिल्स। जॉनी डेप अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जो हॉलीवुड में 8 साल बाद उनकी वापसी का प्रतीक है। पैरामाउंट पिक्चर्स ने 23 जुलाई को अपनी आगामी फिल्म 'एबेनेजरः ए क्रिसमस कैरल' का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। इसमें वह 'एबेनेजर स्क्रूज' की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी झलक टीजर में दिखाई गई है। बता दें, जॉनी को आखिरी बार फिल्म 'फैंटास्टिक बीस्ट्स' (2018) में देखा गया था, जिसके बाद से वह सिनेमा से दूर थे।

फिल्मी पर्दे पर लौटेगी 'हैरी पॉटर' की जादुई दुनिया...

लॉस एंजिल्स। जादू और रोमांच की दुनिया में ले जाने वाली लोकप्रिय फ्रैंचाइजी 'हैरी पॉटर' बड़े पर्दे पर फिर लौट रही है। इस हॉलीवुड फ्रैंचाइजी की पहली किस्त 'हैरी पॉटर और फिलॉस्फर्स स्टोन' 2001 में रिलीज हुई, जिसने 25 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म के सिल्वर जुबली वर्ष का जश्न मनाने के लिए वार्नर ब्रदर्स इसे बड़े पर्दे पर दोबारा से ला रहे हैं। दिलचस्प बात ये है कि फ्रैंचाइजी की सभी 8 फिल्में दोबारा से रिलीज की जाएंगी। 'हैरी पॉटर' निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक पोस्ट साझा किया है, जिसमें बताया गया है कि सीरीज को विश्वस्तर पर दोबारा से रिलीज किया जा रहा है। इसके लिए दर्शक 31 जुलाई से टिकटों को खरीद सकते हैं।

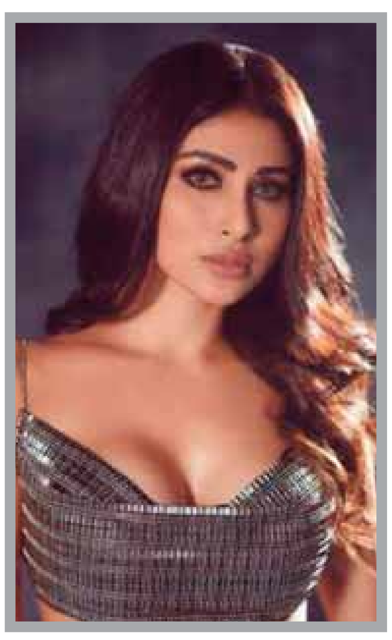

निर्देशक सुरेश की फिल्म में आएंगी नजर

मुंबई। मौनी रॉय को आखिरी बार वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में देखा गया था। ताजा अपडेट है कि उनके हाथ निर्देशक सुरेश कृष्णा की एक रोमांटिक फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य किरदार में नजर आएंगी। दरअसल, फिल्म 'रॉकी- द रिबेल' (2006) बनाने के बाद, सुरेश करीब 20 साल बाद एक रोमांटिक फिल्म के जरिए हिंदी निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म का निर्माण प्रेरणा अरोरा करेंगी। एक इंटरव्यू में निर्देशक ने कहा, ऐसी शख्सियत जो मुख्य किरदार के भावनात्मक भार को सहजता, सुंदरता और दृढ़ विश्वास के साथ निभा सके। हम दोनों (मैं और प्रेरणा) को सहज रूप से लगा कि मौनी रॉय इसके लिए आदर्श विकल्प हैं। वह बेहद आकर्षक, सुरुचिपूर्ण और प्रतिभावान हैं।

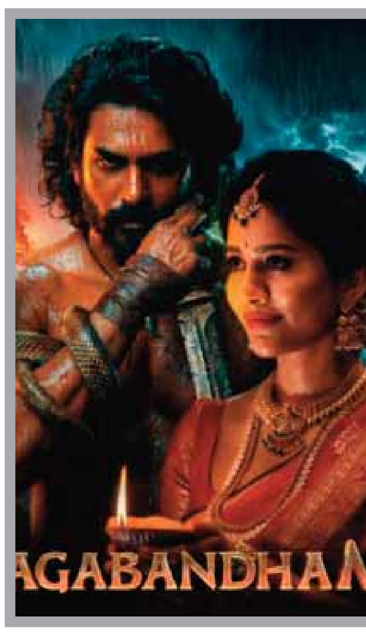

'नागबंधनम' अब ओटीटी पर दी दस्तक...

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्म 'नागबंधम' इसी महीने 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। करीब 21 दिनों बाद ही निर्माताओं ने इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों के लिए मौजूद करा दिया है, जिससे लोगों के पीस वीकेंड पर इसका लुत्फ उठाने का खास मौका होगा। फिल्म ने दुनियाभर में 27.16 करोड़ रुपये का ग्रॉस कारोबार किया था। इसका निर्देशन अभिषेक नामा ने किया है, जिसमें विराट कर्ण, नाभा नतेश और ईश्वर्या मेनन मुख्य किरदारों में है। निर्माताओं ने पुष्टि की है कि 'नागबंधनम' 24 जुलाई, 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होना शुरू हो चुकी है। उन्होंने पोस्ट के साथ में कैप्शन लिखा, 'छिपे हुए खजानों को खोजने का सफर अब शुरू होता है।' ये एक माइथोलॉजिकल फैंटेसी एडवेंचर फिल्म है।

टीवी मसाला

'इंडियन आइडल 16' का ग्रैंड फिनाले आज, नहीं दिखेंगे विशाल ददलानी...

मुंबई। कई महीनों के परफॉर्मेंस, इमोशनल पलों और प्रेरणादायक कहानियों के बाद इंडियन आइडल सीजन 16 रविवार, 26 जुलाई को अपने ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने वाला है। 'यादों की प्लेलिस्ट' थीम पर आधारित यह फिनाले संगीत, पुरानी यादों और जश्न से भरी शाम का वादा करता है, जिसमें छह फाइनलिस्ट में से कोई एक इंडियन आइडल की शानदार ट्रॉफी जीतेगा। हालांकि, 'इंडियन आइडल 16' के ग्रैंड फिनाले में विशाल ददलानी नहीं दिखेंगे। उन्होंने खुद इसके पीछे की वजह भी बताई है। अंशिका चोनकर, ज्योतिर्मयी नायक, मनराज वीर सिंह, मायस्मे बोसू, सुहैल सूफी और तनिष्क शुक्ला ने पूरे सीजन में जजों और दर्शकों को प्रभावित करने के बाद कॉम्पिटिशन में जगह बनाई है। जज विशाल ददलानी, श्रेया घोषाल और बादशाह ने पूरे कॉम्पिटिशन के दौरान कंटेस्टेंट का मार्गदर्शन किया है, जबकि होस्ट आदित्य नारायण ने शो को हर पड़ाव पर आगे बढ़ाया है। ग्रैंड फिनाले में कई खास मेहमान भी शामिल होंगे। श्रेया घोषाल और बादशाह के साथ जश्न मनाने के लिए उषा उत्थुप, उदित नारायण, पापोन, कुमार सानू, शहनाज गिल और उर्मिला मातोंडकर भी आएंगे, जिससे फिनाले और भी शानदार होने वाला है। विशाल लंबे समय से विवादों में बने हुए हैं और अब शो में अपनी गैरमौजूदगी के कारण चर्चा में हैं। जी हां, विशाल ददलानी इस शो के फिनाले में नजर नहीं आएंगे।

'नागिन 7' के लिए प्रियंका ने 12 घंटे की थी लगातार शूटिंग

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने हाल ही में एकता कपूर की सुपरनैचुरल फैंटेसी सीरीज 'नागिन 7' में लीड रोल निभाकर लोगों का दिल जीता था। सीजन खत्म होने के बाद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर फराह खान अपने पॉपुलर व्लॉग के लिए प्रियंका के घर कब जाएंगी। आखिरकार यह इंतजार खत्म हो गया। फराह के लेटेस्ट व्लॉग में प्रियंका ने 'नागिन 7' साइन करने को लेकर अपनी शुरुआती हिचकिचाहट के बारे में बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'बैटलग्राउंड' और शो के बीच तालमेल बिठाते हुए 12 घंटे की लंबी शिफ्ट में काम किया। प्रियंका ने बताया कि उन्होंने शुरू में 'नागिन' के लिए मना कर दिया था। उन्होंने याद करते हुए कहा, 'एकता मैम ने मुझे बिग बॉस हाउस के अंदर ही नागिन का ऑफर दिया था। बाद में उन्होंने मुझे बताया कि जब दिवाकर बनर्जी कंटेस्टेंट्स को चुन रहे थे तो उन्होंने खास तौर पर उनसे कहा था कि मुझे एलिमिनेट न करें, क्योंकि वह मुझे किसी और चीज के लिए रखना चाहती थीं।

'राणाबाली' के लिए दिन-रात पसीना बहा रहे देवरकोंडा

मुंबई। विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म 'राणाबाली' को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। इस पीरियड ड्रामा में उनके साथ रश्मिका मंदाना मुख्य किरदार में नजर आएंगी, जिसका टीजर साल की शुरुआत में आया था। हालिया अपडेट में बताया गया है कि विजय अपनी इस फिल्म के लिए कड़े प्रशिक्षण ले रहे है, जिसमें घुड़सवारी, हथियार और युद्ध कला कौशल भी शामिल है। अभिनेता द्वारा यह कड़ा प्रशिक्षण पर्दे पर बिल्कुल असली एक्शन दिखाने के लिए किया जा रहा है। एक इंटरव्यू में एक सूत्र ने कहा, इस भूमिका के लिए विजय ने गहन तैयारी में खुद को पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया, नियंत्रण और फुर्ती में महारत हासिल की, साथ ही साथ हथियार चलाना, बंदूक चलाना और नकली गोलीबारी के प्रभावों के बीच अभिनय करना सीखा, और यह सब उन्होंने घोड़े पर सवार रहते हुए किया। उन्होंने बताया कि अभिनेता ने गहन शारीरिक परिवर्तन भी अपनाया है।

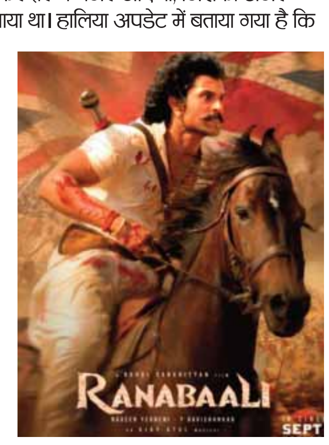

11 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी 'राणाबाली'

राहुल सांकृत्यान द्वारा निर्देशित पैन इंडिया फिल्म 'राणाबाली' इसी साल 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सूत्र ने बताया कि घुड़सवारी, उन्नत युद्ध तकनीक, हथियार चलाने का कौशल और एक गहन फिटनेस कार्यक्रम को मिलाकर, विजय ने खुद को नई सीमाओं तक पहुंचाया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर फ्रेम फिल्म के पैमाने और दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसके अलावा, उनकी आने वाली फिल्मों में 'राउडी जनार्दन' और 'वीडीएक्स शोरयुव' शामिल हैं।

'ओह माय डॉग' पर सेंसर बोर्ड ने चलाई कैंची, 7 बदलावों के बाद दिया प्रमाणपत्र

मुंबई। निर्देशक अमित राय की फिल्म 'ओह माय डॉग' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। पंकज त्रिपाठी अभिनीत इसका ट्रेलर इसी हफ्ते यूट्यूब पर जारी किया गया था, जिसे लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। ताजा अपडेट है कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने कुछ बदलावों के बाद इसकी रिलीज को हरी झंडी दिखा दी है। साथ में यू/ए रेटिंग के साथ प्रमाणपत्र भी दिया है, जिसके चलते कम उम्र के दर्शक फिल्म को माता-पिता के मार्गदर्शन में देख सकेंगे।

फिल्म में संशोधन करने का निर्देश : बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने फिल्म की जिन सामग्री पर आपत्ति जताई, उनमें 'ट्रूकॉलर' और 'डेटॉल' जैसे ब्रांडों के नाम शामिल है। एक अपशब्द को हटाया गया है। कुत्ते से जुड़े

एक दृश्य को 2 सेकेंड छोटा किया गया है, जबकि एक अन्य दृश्य में भगवान हनुमान के फोटो फ्रेम को धुंधला किया गया है। बोर्ड ने टीम को 2 अस्वीकरण जोड़ने का भी निर्देश दिया है, जिनमें से एक बाल श्रम और दूसरा मानव तस्करी पर है।

बोर्ड के फैसले का निर्देशक ने किया सम्मान : एक इंटरव्यू में निर्देशक ने बोर्ड के निर्देश को व्यवहारिक बताया और कहा कि इस बार जिस तरह से काम हुआ है उससे वह खुश हैं। उन्होंने कहा, मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने मुझे ऐसे कट दिए हैं जो व्यवहारिक हैं। दरअसल, उनकी पिछली फिल्म 'ओएमजी 2' (2023) को लगभग 85 संशोधनों के बाद 'ए' प्रमाणपत्र दिया गया था। 'ओह माय डॉग' इस फ्रैंचाइजी की तीसरी कड़ी है, जो 31 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपूर्वा मुखीजा ने 'लॉक अप 2' में आते ही श्रद्धा को घेरा

मुंबई। अपूर्वा मुखीजा ने 'लॉक अप 2' में वाइल्डकार्ड बनकर एंट्री ली और बिना देर किए श्रद्धा को 2 मुंहा करार दिया। खाने की मेज पर माहौल तब गरमा गया, जब अपूर्वा ने श्रद्धा का एक वायरल वीडियो सामने रखा। यह वीडियो टायला के मुंबई कॉन्सर्ट का था, जहां श्रद्धा एक लड़के के कंधों पर नाच रही थीं। यह वीडियो पहले से ही इंटरनेट पर काफी चर्चा बटोर रहा था। श्रद्धा ने बताया कि वीडियो में जो लड़का था, वह उनके परिवार का हिस्सा था, कोई अनजान इंसान नहीं था। उनके बॉयफ्रेंड ऋषभ ने भी श्रद्धा का साथ दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कहां कि उन्हें अपनी प्रेमिका पर पूरा भरोसा है और उन्हें कभी भी उन पर शक करने की कोई वजह नहीं मिली। उन्होंने लोगों से श्रद्धा को नफरत भरे मैसेज भेजना बंद करने की अपील भी की।

अगर नहीं देखीं मणिरत्नम की ये फिल्में, तो ओटीटी पर आज ही लें मजा

मुंबई। *भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्देशक मणिरत्नम अपनी शानदार कहानी कहने की शैली और यादगार फिल्मों के लिए मशहूर हैं। उन्होंने अपने लंबे करियर में कई ऐसी फिल्में बनाई हैं, जिन्हें दर्शकों और समीक्षकों दोनों का भरपूर प्यार मिला। उनकी फिल्मों में दमदार कहानी, बेहतरीन निर्देशन और शानदार अभिनय का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है। ऐसे में आइए जानते हैं मणिरत्नम की उन बेहतरीन फिल्मों के बारे में, जिन्हें आप अलग-अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।*

'पोन्नियिन सेल्वन 1,2' और 'बॉम्बे'

निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' का पहले और दूसरे भाग को लोगो ने खूब पसंद किया था। इसमें ऐश्वर्या राय, विक्रम, कार्ति, जयम रवि, तृषा, शोभिता धूलिपाला और प्रकाश राज मुख्य भूमिका में हैं। इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। फिल्म 'बॉम्बे' मुंबई दंगों और हिन्दू मुस्लिम की शादियों पर बनी है। इस फिल्म को हिंदी के साथ-साथ तेलुगु और मलयालम में भी रिलीज किया गया था। इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'रोजा' और 'दिल से'

फिल्म 'रोजा' के निर्देशक मणिरत्नम हैं। अरविंद स्वामी और मधु की इस फिल्म की कहानी से लेकर गाने तक सुपरहिट हुए थे। इस फिल्म ने 1995 में बंपर कमाई की थी। इसका लुफ्त आप प्राइम वीडियो पर ले सकते हैं। फिल्म 'दिल से' एक हिट मूवी साबित हुई थी। इसमें शाहरुख खान, मनीषा कोइराला और प्रीति जिंटा मुख्य भूमिका में थे। इस सुपरहिट फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'गुरु'

साल 2007 में रिलीज हुई मणिरत्नम की फिल्म 'गुरु' में ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म के साथ-साथ दोनों की जोड़ी को भी लोगों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

रणबीर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' दिवाली पर

मुंबई। *रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है और इससे बॉक्स ऑफिस पर बड़े रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद की जा रही है।*

लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण, सीएम हेल्पलाइन के संतुष्टिपूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

पुलिस कप्तान ने किया रांझी थाना का वार्षिक निरीक्षण

रिकॉर्ड से लेकर हवालात तक परखी व्यवस्थाएं

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने शनिवार को थाना रांझी का वार्षिक निरीक्षण कर पुलिस कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हवालात, मालखाना, जब्ती माल, आर्म्स एवं एम्युनेशन, राइट ड्रिल सामग्री तथा थाने में संधारित विभिन्न रजिस्टरों का गहन परीक्षण किया और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएसपी रांझी सतीश कुमार साहू एवं टीआई उमेश गोल्हानी मौजूद रहे।

एक-एक रजिस्टर खंगाला

निरीक्षण के दौरान कप्तान उपाध्याय ने मालखाने में रखे जब्ती माल एवं हथियारों के रखरखाव की स्थिति देखी तथा यह भी परखा कि थाने के सभी आवश्यक रजिस्टर समय पर अद्यतन किए जा रहे हैं या नहीं। उन्होंने लंबित अपराधों की समीक्षा करते हुए विवेचनाओं का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साइबर प्रकरणों का शीघ्र हो निपटारा

साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए कप्तान ने साइबर ठगी, सोशल मीडिया फ्रॉड, मोबाइल गुम होने सहित अन्य साइबर अपराधों से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निस्तारण प्राथमिकता से करने पर जोर दिया।

नहीं होगी लापरवाही बर्दाश्त

कप्तान उपाध्याय ने अधिकारियों और कर्मचारियों को महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ तत्काल वैधानिक कार्रवाई कर पीड़ितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

परेशानी में सीधे करें संपर्क

निरीक्षण के अंत में कप्तान ने पुलिसकर्मियों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और भरोसा दिलाया कि उनकी जायज समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। थाने के निरीक्षण के बाद उन्होंने थाना परिसर का भी अवलोकन कर साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बरगी के चौथई गांव में तेंदुए का आतंक

चार माह से दहशत में ग्रामीण

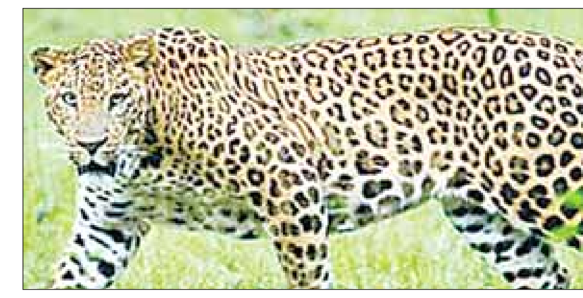

जबलपुर। बरगी वन परिक्षेत्र के चौथई गांव में पिछले चार महीनों से तेंदुए की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। सूर्यास्त के बाद गांव में सन्नाटा छा जाता है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं, वहीं किसान भी खेतों तक जाने में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वन परिक्षेत्र की धनगवां बीट से लगे आदिवासी बहुल चौथई गांव में तेंदुआ कई पालतू मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है। ग्रामीणों के अनुसार बसोर सिंह और पर्वत सिंह के बछड़ों सहित अन्य पशुओं की मौत से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। हाल ही में तेंदुआ बुजुर्ग गुमान सिंह और मंगो बाई के खेत स्थित घर तक पहुंच गया और पालतू कुत्ते को उठाने का प्रयास किया। शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार वन विभाग और प्रशासन को सूचना देने के बाद भी अब तक स्थायी निगरानी या प्रभावी रेस्क्यू व्यवस्था नहीं की गई है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ी जनहानि हो सकती है।

जिले के कई क्षेत्रों में तेंदुओं की सक्रियता

बरगी के अलावा सिहोरा, पाटन, खमरिया, डुमना, मझौली और कटंगी सहित आसपास के वन क्षेत्रों में भी तेंदुओं की सक्रियता सामने आ रही है। गौरहा बीट में भी लगातार मूवमेंट दर्ज किया गया है। गौरहा और चौथई के बीच कम दूरी होने से तेंदुओं का गांवों और खेतों की ओर आना-जाना बढ़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, कैमरा ट्रैप, त्वरित रेस्क्यू टीम, ग्रामीणों के लिए अलर्ट सिस्टम और जागरूकता अभियान जरूरी हैं। ग्रामीणों ने वन्यजीव संरक्षण के साथ मानव सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग की है।

भानतलैया में जुआ फड़ पर पुलिस का छापा

जबलपुर। भानतलैया शराब दुकान के पास जुआ फड़ पर पुलिस ने छापेमारी कर 10 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान मौके से 40 हजारी 550 नकद, 9 मोबाइल फोन और ताश की 4 गड्डियां जब्त की गईं। बेलबाग थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटकर ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर संदीप चौधरी, निकेश सोनकर, सुरेन्द्र चौधरी, अमन सोनकर, नरेश बर्मन, मनोज चौधरी, राकेश चौधरी, आकाश चौधरी, नरेन्द्र चौधरी, धर्मेन्द्र चौधरी को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

अदालत ने मुआवजा देने का आदेश सुनाया

दो लाख के चेक बाउंस मामले में दंपति दोषी

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषिराज मिश्रा की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले में सदर बाजार, जबलपुर निवासी राकेश पछेल व उनकी पत्नी रानो पछेल को दोषी ठहराया है। अदालत ने दोनों को दोषसिद्ध करते हुए परिवादी गोराबाजार, जबलपुर निवासी अभिषेक विनोदिया को चेक राशि के संबंध में राशि अदा करने का आदेश दिया है। कुल तीन लाख 26 हजार देने होंगे। परिवादी के अधिवक्ता संदेश दीक्षित के अनुसार दोनों पक्षों के बीच टेंट हाउस के सामान का दो लाख में सौदा हुआ था। परिवादी अभिषेक विनोदिया ने 13 दिसंबर, 2017 को एक लाख नकद व 50-50 हजार के दो बैंक चेक देकर कुल दो लाख का भुगतान किया। इसके बाद अभियुक्तों ने दायित्व के निर्वहन के लिए दो लाख का चेक जारी किया, लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण चेक अनादरित हो गया। परिवादी ने विधि अनुसार लीगल नोटिस भेजा। इसके बावजूद निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद न्यायालय में परिवाद दायर किया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दस्तावेजी व मौखिक साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए पाया कि अभियुक्त चेक जारी करने से जुड़े वैधानिक दायित्व का खंडन नहीं कर सके। अदालत ने दोषी करार देते हुए विधि के अनुरूप सजा व तीन लाख 26 हजार रुपये प्रतिकर का आदेश पारित किया।

नरसिंहपुर में जन्मे जुड़े बच्चे, जबलपुर रेफर

मेडिकल में डॉक्टरों की टीम नवजातों के परीक्षण में जुटी

जबलपुर। संभाग के नरसिंहपुर जिला अस्पताल में शुक्रवार शाम एक दुर्लभ और जटिल प्रसव के दौरान आपस में जुड़े (कंजॉइंट) जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने सिजेरियन डिलीवरी कराई और प्राथमिक उपचार के बाद दोनों नवजातों को बेहतर इलाज के लिए तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार बम्होरी सुकलपुर निवासी कुब्जा कुशवाहा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों द्वारा उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां महिला ने सिजेरियन ऑपरेशन के माध्यम से दो बच्चों को जन्म दिया जिनकी शारीरिक संरचना आपस में जुड़ी देखकर परिजन और मेडिकल स्टाफ हैरान रह गया। दोनों के छाती हाथ तो अलग अलग हैं परंतु एक दूसरे से पेट से जुड़े हैं। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बच्चों को जरूरी चिकित्सकीय देखभाल दी। इसके बाद दोनों नवजातों के शरीर आपस में जुड़े होने के कारण संभावित पृथक्कीकरण (सेपरेशन) सर्जरी और विस्तृत जांच के लिए उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है।

अतिक्रमण पर निगम ने की कार्रवाई, कई वाहनों की भी हुई जब्ती

जबलपुर। शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल के नेतृत्व में बस स्टैंड एवं स्टेडियम क्षेत्र में अतिक्रमण और गंदगी के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक मार्गों पर बेतरतीब खड़े वाहनों को जब्त किया गया, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ।

अभियान के दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल एवं रेस्टरां संचालकों के खिलाफ मौके पर चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। नगर निगम की टीम ने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के साथ ही स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। कार्रवाई में नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल

के साथ सहायक अतिक्रमण अधिकारी टिपेंद्र रावत, अतिक्रमण दल, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोलाराव, अनंत दुबे, प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षक किशन दुबे, स्वच्छता टीम, पुलिस बल एवं ट्रैफिक पुलिस का सहयोग रहा। नगर निगम मजिस्ट्रेट ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण करने और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

मनमोहन होटल का खाद्य पंजीयन निलंबित, निरीक्षण में मिली गंदगी और अस्वच्छता

जबलपुर। दूषित खाद्य पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नगर निगम न्यायिक मजिस्ट्रेट की टीम ने शनिवार को सिविल लाइन स्थित मनमोहन होटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं संग्रहण स्थल पर अत्यधिक गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियां पाई गईं।खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार जांच के दौरान खाद्य पदार्थों के आसपास कॉकरोच एवं कीड़े पाए गए, जिसे गंभीर लापरवाही मानते हुए प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सदर स्थित सोनी डेयरी से पनीर का नमूना भी जांच के लिए लिया है, जिसे परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता में लापरवाही बरतने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

एमपी-एमएसयू विभाजन के विरोध में मौन धरना, राज्यपाल से प्रस्ताव मंजूर न करने की अपील

जबलपुर। मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (एमपीएमएसयू) के प्रस्तावित विभाजन के विरोध में शनिवार को नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष मौन धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने "गांधी जी, जबलपुर को बचाइए" का संदेश देते हुए राज्यपाल से विभाजन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी नहीं देने की मांग की। मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने कहा कि एमपीएमएसयू विभाजन का प्रस्ताव विधानसभा से पारित होकर राज्यपाल के पास भेजा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्ताव में जबलपुर के साथ भेदभाव किया गया है। उनके अनुसार उज्जैन को 6 संभाग और 31 जिले, जबकि जबलपुर को 4 संभाग और 24 जिले दिए गए हैं, जबकि क्षेत्रफल एवं जनसंख्या की दृष्टि से जबलपुर बड़ा क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि विभाजन से जबलपुर की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक पहचान प्रभावित हो सकती है। जन संगठनों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राज्यपाल से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। धरने में स्वगत भार्गव, टी.के. राजपूतक, एडवोकेट वेदप्रकाश अधौलिया, सुभाष चंद्रा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, डी.के. सिंह, संतोष श्रीवास्तव, पी.एस. राजपूत, माया कुशवाहा, यशवंत कोष्ठा, बी.एल. कमलाकर, के.टी. सोनी, उमा दाहिया, पूर्णिमा नायडू, एडवोकेट बृजेश साहू, श्याम सोलंकी, कंचन पटेल, अशोक यादव, अनिल गुप्ता एवं राममिलन शर्मा सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्टेडियम की सफाई में लापरवाही पर एजेंसी पर ठोका 5 हजार का फाइन

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने गोहलपुर पुलिया निर्माण कार्य के निरीक्षण के साथ राइट टाउन स्टेडियम का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थल पर गंदगी एवं सी.एन.डी. मटेरियल पाए जाने पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर परिसर की सफाई हेतु अनुबंधित एजेंसी 'कौन्तेय वेंचर्स' के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए मौके पर ही 5 हजार रुपये का स्पॉट फाइन वसूल किया गया।

निगमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि खेल परिसरों की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

गूगल से डॉक्टर का नंबर तलाशना पड़ा महंगा

एपीके फाइल खोलते ही खाते से उड़ गए 1.50 लाख रुपये

जबलपुर। साइबर ठग अब इंटरनेट पर उपलब्ध मोबाइल नंबरों के जरिए लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। रांझी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को गूगल से डॉक्टर का नंबर सर्च कर संपर्क करना महंगा पड़ गया। ठगों ने फर्जी टोकन के नाम पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक किया और बैंक खाते से 1.50 लाख रुपये निकाल लिए।

पुलिस के अनुसार बापूनगर निवासी दीपक कुमार रजक ने 14 जुलाई को अपनी सास उमा रजक की तबीयत खराब होने पर गूगल से डॉ. परिमल स्वामी का नंबर खोजकर कॉल किया। कॉल नहीं लगने पर दोबारा संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने खुद को क्लीनिक कर्मचारी बताते हुए मरीजों की भीड़ अधिक होने और टोकन के लिए 5 रुपये ऑनलाइन भुगतान करने की बात कही। इसके बाद ठग ने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजकर उसे डाउनलोड करने और फॉर्म भरने के लिए कहा। दीपक द्वारा फाइल खोलने के बाद भुगतान प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। बाद में 50 रुपये भुगतान करने के लिए कहा गया, लेकिन वह भी सफल नहीं हुआ। इसके बाद कॉल बंद कर दी गई। घटना के पांच दिन बाद 19 जुलाई को दीपक के इंडियन बैंक खाते से दो ट्रांजेक्शन में कुल 1.50 लाख रुपये निकल गए। आशंका है कि एपीके फाइल के माध्यम से मोबाइल की जानकारी हासिल कर साइबर ठगों ने वारदात को अंजाम दिया। रांझी पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तापमान में उछाल से फिर बढ़ी गर्मी

गत वर्ष के मुकाबले पिछड़ गई बारिश

जबलपुर। मौसम के तेवर कुछ समझ में नहीं आ रहे हैं कभी तेज धूप तो कभी बादलों के बीच उमस और गर्मी से यह एहसास ही नहीं हो रहा है कि यह आषाढ़ का महिना है। मानसून की हलचल बंगाल की खाड़ी में हो रही है और मानसून उड़ीसा तक पहुंच चुका है। एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने में एकआध हफ्ते का वक्त लग सकता है। आषाढ़ का महिना सूखा-सूखा बीतने से बारिश का आंकड़ा अब गत वर्ष के मुकाबले पिछड़ चुका है। गत वर्ष आषाढ़ के महिने में झमाझम बारिश हुई। इस वर्ष शुरुआत के तीन चार दिनों में बारिश होने के बाद

मानसून रुठ गया। तब से स्थानीय बादल ही छुटपुट बरस रहे हैं।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार मानसून के नए सिस्टम के आगमन की आहट सुनाई देने लगी है। बंगाल की खाड़ी में बना नया सिस्टम उड़ीसा तक पहुंच चुका है। जिसके मध्यप्रदेश तक आने में 4-5 दिन का वक्त लग सकता है। फिलहाल बारिश नहीं होने से तापमान बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 24.8 सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। हवा में नमीं प्रातःकाल 75 प्रतिशत और सायंकाल 63 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.39 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 6.55 मिनिट पर हुआ। गत वर्ष आज का तापमान 28.0 और न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री रहा। गत वर्ष आज के दिन कुल वर्षा 647.3 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। जबकि इस वर्ष एक जून से अब तक कुल वर्षा 269.2 मिमी दर्ज की गई। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

सालीवाड़ा हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार, हुलिया बदलकर छिप रहा था घनश्याम केवट

जबलपुर। बरगी थाना क्षेत्र के ग्राम सालीवाड़ा में हुए चर्चित नमामि यादव हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी घनश्याम केवट को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद आरोपी पहचान छिपाने के लिए हुलिया बदलकर अलग-अलग स्थानों पर छिप रहा था, लेकिन पुलिस की तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से उसे तिलवारा घाट के पास घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले सालीवाड़ा गांव के चौराहे पर बैठने को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने 30 वर्षीय नमामि यादव पर चाकू से हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल नमामि की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था। गिरफ्तारी के बाद बरगी पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल एवं आसपास के प्रमुख मार्गों से पैदल ले जाकर जुलूस निकाला। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय बनाए रखना और आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करना है। थाना प्रभारी निलेश दोहरे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन, राम और कृष्ण अवतार की कथाओं का हुआ भावपूर्ण निरूपण

श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन

अहंकार रूपी गज का उद्धार कर भक्त का कल्याण करते हैं भगवानः ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

हरिभूमि, जबलपुर।

श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर श्रद्धालु भक्ति और आध्यात्मिक रस में सराबोर हो गए। कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण एवं सरल शैली में वर्णन करते हुए बताया कि भगवान अपने भक्तों के प्रेम के पराधीन होते हैं। सच्ची श्रद्धा, समर्पण और निष्काम भक्ति से ही ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।हमारा अहंकार ही गज है-

कथा के दौरान महाराज श्री ने गजेन्द्र मोक्ष प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि हमारा अहंकार ही गज है। जब मृत्यु रूपी ग्राह इस अहंकार को पकड़ लेता है, तब भगवान अपने भक्त का उद्धार कर उसके अहंकार का नाश कर देते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अभिमान त्यागकर प्रभु की शरण में जाना चाहिए, क्योंकि ईश्वर सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

मंथन से मिलती हैं आत्मिक शांति

समुद्र मंथन की कथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि जीवन में अच्छाई और बुराई का संघर्ष निरंतर चलता रहता है। बुराई का अंत और अच्छाई की स्थापना ही वास्तविक अमृत प्राप्ति है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों का मंथन करता है, तभी उसे आत्मिक शांति और दिव्य आनंद की प्राप्ति होती है।

तीन पग भूमि में समेत ली सृष्टि

कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने मत्स्यावतार की कथा सुनाते हुए सत्यव्रत मनु के आदर्शों का वर्णन किया तथा कहा कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए भगवान समय-समय पर विभिन्न अवतार धारण करते हैं। वहीं वामन अवतार के प्रसंग में उन्होंने बताया कि राजा बलि के समर्पण और दानशीलता से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें अपना सान्निध्य प्रदान किया।

श्रीराम अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना-

कथा में महाराज मनु और शतरूपा की कठोर तपस्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि उसी तप के फलस्वरूप भगवान ने महाराज दशरथ के यहां श्रीराम के रूप में अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना की। वहीं श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग में उन्होंने कहा कि भगवान ने वसुदेव-देवकी के यहां जन्म लेकर नंद बाबा और यशोदा मैया के वात्सल्य तथा ब्रजवासियों के प्रेम को पूर्ण किया।

रायपुर से पधारे दंडी स्वामी इंदु भवानंदजी

इस अवसर पर रायपुर से पधारे दंडी स्वामी इंदु भवानंद तीर्थ ने भी श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक महत्व पर प्रवचन देकर श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और वैराग्य का संदेश दिया। कथा के समापन पर भजन-कीर्तन और आरती के साथ समूचा परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में व्यासपीठ एवं श्रीमद्भागवत का पूजन आचार्य राजेंद्र शास्त्री, मनीष दीप्ति पांडे, विजय उषा कटारिया, राजेश राधा शुक्ला, संजय मधु मिश्रा, नीता श्याम चौदाहा, कमला रामकिशोर तिवारी, गोविंद पद्मिनी विश्वकर्मा, आशीष आराधना चौकसे, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, आशीष चौकसे, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य ,राज गुप्ता, गोविंदा साहू, शिव गुप्ता, लकी शर्मा, सुनील गुप्ता, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ मझौली पुलिस का जागरूकता अभियान

विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

मझौली। युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से दूर रखने एवं समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से मझौली पुलिस द्वारा "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के तहत शिक्षा इंस्टीट्यूट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से अपने भविष्य को बेहतर बनाने और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी नेहरू सिंह खण्डाते सहित मझौली थाने का पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान में युवाओं, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों और समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। जागरूक युवा ही नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल में किया गया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

जबलपुर। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल, आधारताल में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। समाजसेवी प्रो. सौरव तिवारी ने अपने माता-पिता डॉ. उमा सुरेश तिवारी एवं स्व. रमेश तिवारी की स्मृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. विजयकांत तिवारी ने सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता विद्यालय, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। कार्यक्रम में प्राचार्य सोनल तिवारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में 'प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग' पर कार्यशाला आयोजित

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विद्यार्थियों की रोजगारपरक दक्षताओं के विकास के उद्देश्य से 'प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के संरक्षण में संपन्न हुआ, जबकि समन्वयन वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री रिया अग्रवाल ने किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. रामकृष्ण पटेल, सहायक प्राध्यापक, गोविंदराम सेकसरिया वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर ने विद्यार्थियों को प्रभावी एवं पेशेवर रिज्यूमे तैयार करने की तकनीक, आधुनिक मानकों और रोजगार के बदलते परिदृश्य में उसके महत्व की जानकारी दी। कार्यशाला में हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस सत्र, डीएएफ (डिटेल्ड एप्लीकेशन फॉर्म) की उपयोगिता तथा प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रागिनी कुशवाहा ने किया।

डॉ. रामखिलावन बेन त्यागी जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम व भारतीय बेन समाज पत्रिका का हुआ विमोचन

जबलपुर। भारतीय बेन समाज (बांस शिल्पकार समाज) द्वारा शनिवार को डॉ. स्व. रामखिलावन बेन त्यागी की जयंती पर सामाजिक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। इस अवसर पर 'भारतीय बेन समाज पत्रिका' का विमोचन भी किया गया, जिसमें समाज के 200 से 300 स्वजातीय बंधुओं ने सहभागिता की। पत्रिका के संपादक शिवराम बेन ने प्रकाशन के उद्देश्य बताते हुए समाज के गौरवशाली इतिहास, वर्ष 1942 एवं 1967 के सामाजिक आंदोलनों तथा वरिष्ठ समाजसेवियों के योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने डॉ. रामखिलावन बेन त्यागी के शिक्षा, संगीत, समाजसेवा

एवं सामाजिक जागरण में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में संरक्षक शिवराम बेन, एड. अशोक बेन, एड. आत्माराम बेन, बी.पी. उरिया, लक्ष्मी बेन, गुलशन बेन, रमेश बेन, देवीसिंह बेन, संतोष उमरिया, कुंअर सिंह बेन, धर्मेन्द्र बेन, आर.डी. जरहा, वंदना बेन, एन.पी. बंसकार, मनोज पहलवान, शैलेन्द्र बंसकार, किशन बेन, विनोद सुफेले सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन, युवा एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

श्री राजपूत करणी सेना ने की मां नर्मदा की महाआरती

जबलपुर। श्री राजपूत करणी सेना, जबलपुर संभाग द्वारा गौरीघाट में मां नर्मदा के दर्शन, पूजन-अर्चन, दीपदान एवं भव्य महाआरती का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। आरती के उपरांत प्रसाद वितरण, भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महाआरती में मधु देवी सिंह, अभिलाष सिंह, ललिता देवी सिंह, पूनम राठौर, सुनीता सिंह, कामनी सिंह एवं प्रिया सिंह सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति तथा श्री राजपूत करणी सेना जबलपुर संभाग की टीम और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मां नर्मदा की आराधना कर प्रदेश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ, कुपोषण मुक्त भारत पर हुआ मंथन

जबलपुर। राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शनिवार को जबलपुर में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. खंडेलवाल ने दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। प्रशिक्षण वर्ग में देशभर से आए स्वास्थ्य आयाम के कार्यकर्ताओं एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुधीर जी, क्षेत्र सेवा प्रमुख ओमप्रकाश, महाकौशल प्रांत प्रचारक बृजकांत, राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री विजय पुराणिक, मंत्री रामेन्द्र सिंह, महाकौशल प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे, डॉ. रामकुमार तथा सेवा भारती महाकौशल के अध्यक्ष डॉ. संजय खन्ना सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. खंडेलवाल ने सेवा भारती के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए समर्पण, त्याग और संवेदनशीलता को सेवा का आधार बताया। वहीं विजय पुराणिक ने स्वास्थ्य एवं सुपोषण आयाम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को ऐसी कार्यपद्धति से जोड़ना है, जिससे कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

दादा मंदिर समिति की नई कार्यकारिणी घोषित, राजेश सोनी फिर बने अध्यक्ष

बरेला। श्री दादा ठन-ठन पाल मंदिर समिति का तीन वर्षीय पुनर्गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में राजेश सोनी को पुनः अध्यक्ष चुना गया। कैलाश केशरवानी एवं समर पटेल को उपाध्यक्ष, मुनि विश्वकर्मा को सचिव तथा मुकेश साहू (बस स्टैंड) को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं मुन्ना लाल विश्वकर्मा, हीरालाल सोनकर, मोहनलाल गुप्ता एवं मुकेश साहू (एडवोकेट) को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति में दिनेश सोनी एवं रजनीश माझी को मीडिया प्रभारी, भरत सोनी एवं अजय साहू को भंडारा प्रभारी तथा मयंक सोनी को महाआरती प्रभारी बनाया गया। इसके अलावा कन्हैयालाल झारिया, सोनू सोनकर, शेरा जैन, विपिन साहू, आशीष प्यासी, गोल्डी दुबे, दीपक सोनकर, संतोष पटेल, विवेक महावर, दिनेश सिंह पटेल, सतीश साहू, नरेश पटेल, विशाल सोनी, रामप्रसाद रैकवार सहित अनेक दादा भक्तों को समिति का सदस्य बनाया गया।

गुरु पूर्णिमा पर श्री दत्त मंदिर में होगा भव्य आध्यात्मिक समारोह

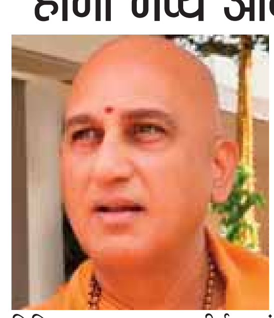

जबलपुर। प्रभु प्रेमी संघ, जबलपुर द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 29 जुलाई को श्री दत्त मंदिर में विश्वविख्यात जूना पीठाधीश्वर परम पूज्य ब्रह्मऋषि स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के पावन सान्निध्य में भव्य गुरु पूर्णिमा समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगा, जिसमें गुरुदेव का विधिवत पूजन, भजन-कीर्तन एवं प्रेरणादायी आशीर्वचन होंगे। प्रभु प्रेमी संघ के मीडिया प्रभारी डॉ. विजयकांत तिवारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है। उन्होंने प्रभु प्रेमी संघ के सदस्यों, गुरुभक्तों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरुदेव के आशीर्वचन का लाभ लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

अवैध शराब बिक्री व नियम विरुद्ध संचालित दुकानों पर कार्रवाई की मांग, भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जिले में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने तथा नर्मदा नदी, हाईवे और स्कूल-छात्रावासों के समीप संचालित शराब दुकानों को बंद कराने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शराब दुकानों से अवैध रूप से गाँव-गाँव शराब सप्लाई की जा रही है, जिससे अपराध और सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। ज्ञापन में भेड़ाघाट चौराहा, बरगी नगर, बरेला, मनकेड़ी, मीरगंज, गंगई बरखेड़ा, सिवनी टोला, माथनपुर और पिपरिया क्षेत्र की शराब दुकानों के संचालन पर भी सवाल उठाए गए। संगठन ने कहा कि कई दुकानें निर्धारित स्थान के बजाय अन्य स्थानों पर संचालित हो रही हैं तथा शासन की गाइडलाइन का उल्लंघन किया जा रहा है। भीम आर्मी ने सात दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों, महिलाओं एवं

संगठन के साथ कलेक्टर कार्यालय के समक्ष उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन के दौरान एड. चंद्रशेखर आजाद (भीम आर्मी चीफ एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, सांसद नगीना), विनय रतन सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष), सुनील बैरसिया (प्रदेश अध्यक्ष, म.प्र.) तथा संजू लाल झारिया (जिला अध्यक्ष, जबलपुर) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई मित्र नगर निगम के असली ब्रांड एंबेसडर : निगमायुक्त

स्वच्छता चौपाल के माध्यम से नागरिकों को जोड़ने का किया आह्वान

जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा सफाई मित्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सफाई मित्रों से संवाद करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और उन्हें स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया। निगमायुक्त ने कहा कि सफाई मित्र केवल कचरा उठाने वाले कर्मचारी नहीं, बल्कि नगर निगम के वास्तविक प्रतिनिधि और ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के साथ सम्मानजनक एवं मित्रवत व्यवहार से स्वच्छता के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। प्रशिक्षण के

दौरान निगमायुक्त ने वार्ड स्तर पर 'स्वच्छता चौपाल' आयोजित करने के निर्देश दिए। चौपालों के माध्यम से नागरिकों, व्यापारियों और आमजन को गीला-सूखा कचरा अलग करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छता रैंकिंग में शहर को आगे बढ़ाने के लिए जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में सफाई मित्रों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रमुख प्रावधानों, कचरे के स्रोत पर पृथक्करण, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को प्रभावी बनाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक संबंधी जानकारी दी गई। निगमायुक्त ने सफाई मित्रों को कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों जैसे ग्लव्स, मास्क और जैकेट का अनिवार्य उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों के आत्मीय व्यवहार और बेहतर कार्यप्रणाली से शहर में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता विकसित होगी। कार्यक्रम में अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

निधन

श्री सुधीर कुमार शर्मा- गांधी नगर न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री सुधीर कुमार शर्मा (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विमल कुमार- इंद्रा बस्ती एलआईसी के पास मदनमहल निवासी श्री विमल कुमार (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती प्रभारानी नस्कर- गढ़ा निवासी श्री मनीलाल नस्कर की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभारानी नस्कर (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती विमला चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री विजय कुमार चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती विमला चौधरी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

कु. आस्था पटेल- सुभाष नगर महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री रमेश पटेल की पुत्री कु. आस्था पटेल (17) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज बाई बेन- बंबा देवी शीतलमाई निवासी श्री रामलाल बेन की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज बाई बेन (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शीला बाई दाहिया- पटेल मोहल्ला रामपुर निवासी श्री श्रीपाल दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती शीला बाई दाहिया (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई भोजक- खटीक मोहल्ला सराफा निवासी श्री कोमल चंद भोजक की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई भोजक (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामकली साहू- शास्त्री नगर मेडिकल निवासी श्री कमल किशोर साहू की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली साहू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विशनू सुर्वे- हनुमानताल खाई मोहल्ला निवासी श्री विशनू सुर्वे (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री उमेश कुमार तिवारी- ग्राम ठकरवाहा सिहोरा निवासी श्री रमेश कुमार तिवारी के पुत्र श्री उमेश कुमार तिवारी (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पाटन संभाग में अवैध पंप टैपिंग पर कार्रवाई तेज, 9 मामलों में एफआईआर दर्ज

पाटन। विद्युत विभाग के पाटन संभाग में अवैध विद्युत टैपिंग के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले 6-8 महीनों से चल रही इस मुहिम के तहत कृषि पंपों को अवैध रूप से जोड़ने वाले उपभोक्ताओं पर शिकंजा कसा गया है। कार्यपालन अभियंता नवनीत राठौर के निर्देश पर संभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई की जा रही है। विभाग के अनुसार ग्राम भदरवारा, धनेटा, कांटी, सहसन, टिपरा, बरगी, नटवारा, सकरा एवं अनघोरा सहित करीब 50 स्थानों पर अवैध टैपिंग हटाई गई है। कई स्थानों पर अवैध पंप कनेक्शन के तार भी जब्त किए गए हैं। विभाग ने बताया कि 24 घंटे वाले फीडर से अवैध रूप से कृषि पंप जोड़ने वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई करते हुए पिछले छह माह में 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कार्रवाई में प्रशासनिक अधिकारियों, एसडीएम एवं एसडीओपी पाटन का भी सहयोग लिया गया। विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अवैध टैपिंग हटाने के दौरान कर्मचारियों को विरोध, गाली-गलौज एवं धमकियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी लाइन लॉस कम करने और विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

नाम सुधार सूचना

मैं MOHINI MADHU उम्र 50 वर्ष W/O ASHESH RANCHHODLAL MADHU मेरे पुत्र JOY MADHU के passport no.J9138944 में उसका नाम (JOY ASHESH MADHU) लिखा हुआ है जो की बदल कर (JOY MADHU) कर लिया है जो कि उसके आधार, और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मेरे पुत्र को सही नाम (JOY MADHU) से जाना पहचाना जाए।

नया नाम :- JOY MADHU

पुराना नाम :- JOY ASHESH MADHU

पता :- 1175 नियर होम साइंस कॉलेज रोड, नेपियर टाउन जबलपुर

केंद्रीय मंत्री ने बड़ौनी, जिगना, निचरोली, चकरासागर और गोविंद नगर में जनसभाओं को संबोधित किया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य ने कहा- कांग्रेस कभी भी विकास की नहीं, बल्कि एक परिवार को आगे बढ़ाने की पक्षधर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा प्रत्याशी तिवारी के समर्थन में की जनसभाएं

जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री सिंधिया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में ग्रामीण क्षेत्रों बडौनी, जिगना, निचरोली, चकरासागर और गोविंद नगर में जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में विकास और प्रगति की आंधी आई है।

कांग्रेस ने देश की सत्ता पर 70 वर्षों तक और प्रदेश में भी लंबे समय तक शासन किया, लेकिन उन्होंने विकास के कार्य कभी नहीं कराए। जो जनता का अधिकार था, उसे कांग्रेस के नेताओं ने छीनने का काम किया। कांग्रेस पार्टी ने देश-प्रदेश के विकास पर कभी भी ध्यान नहीं दिया, बल्कि उन्होंने तो हमेशा से केवल एक ही परिवार को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस की सरकार जिन कामों को इतने वर्षों में नहीं कर सकी, उन विकास कार्यों को केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार एवं मप्र में डॉ. मोहन यादव की डबल इंजन सरकार ने करके दिखाया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से परिवारवाद को बढ़ावा देती रही है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ताओं को उनका अधिकार मिलता है। भाजपा ने दतिया उपचुनाव में पार्टी और संगठन के लिए हमेशा समर्पित रहने वाले कार्यकर्ता आशुतोष तिवारी को अपना प्रत्याशी बनाया है।

बसपा के सेवड़ा से पूर्व प्रत्याशी यादव समर्थकों सहित भाजपा में शामिल

» दतिया चुनाव कार्यालय में आयोजन

» मुंह मीठा कराकर बधाई दी

खंडेलवाल की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते यादव।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के समक्ष शुक्रवार को दतिया चुनाव कार्यालय में बसपा के सेवड़ा से पूर्व प्रत्याशी लाखन सिंह यादव सहित कांग्रेस, बसपा के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर सभी का भाजपा परिवार में स्वागत किया एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी।

ऊर्जावान युवा ही सशक्त भारत की नींव रखते हैं : उपाध्याय

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते उपाध्याय।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने शुक्रवार को दतिया स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय में युवाओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उपाध्याय ने कहा कि दतिया का सुनहरा कल, हर घर खिलेगा कमल केवल एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि दतिया के सर्वांगीण विकास, सुशासन, जनकल्याण और समृद्ध भविष्य का संकल्प है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है, यही युवा देश की सबसे बडी पूंजी है। हमारे ऊर्जावान, शिक्षित और जागरूक युवा ही सशक्त और विकसित भारत की नींव हैं।

आयोग की नजर से नहीं बच पाएंगे गड़बड़ी करने वाले चिकित्सा संस्थान

भोपाल। नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने और दोबारा परीक्षा आयोजित हुई तभी से सेंट्रल व राज्य स्तर पर चिकित्सा संस्थानों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, संचालन, और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को नियंत्रित व रेग्युलर करने की दिशा में मप्र निजी विनियामक आयोग भी और ज्यादा सक्रिय हो गया है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि आयोग ने समस्त निजी विश्वविद्यालय के कुलसचिवों से 2025-26 में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों की प्रमाणिक सूची बुला ली है ताकि प्रवेश, प्रवेश फीस, शैक्षणिक मानक, शुल्क विनियमन, योग्य स्टॉफ, निरीक्षण जांच के साथ छात्रहित में प्रवेशित छात्रों के हित में निर्णय लिए जा सकें। क्योंकि वैधानिक तौर पर पारदर्शिता जरूरी है। आयोग ने जिन डिग्री कोर्स में प्रवेशित छात्रों की सूची बुलाई है उनमें एमबीबीएस, एमडी, एमएस, बीडीएस, एमडीएस, नर्सिंग, बीएएमएस, बीएचएमएस पाठ्यक्रम शामिल हैं। सूत्र बताते हैं कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में फर्जी प्रवेश न हों, छात्रों से जबरन ज्यादा फीस वसूली न की जावे तथा चिकित्सा अध्ययन-अध्यापन, रिसर्च में गुणात्मक सुधार हो यह आयोग के साथ-साथ संबंधित स्वास्थ्य व आयुष संचालनालय तथा मंत्रालय भी यही चाहता है।

मुख्यमंत्री ने पन्ना में 184.83 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण किया

भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और इंदौर में खोले जाएंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

◆ सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 35 लाख रुपए से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मप्र के भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा।

नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों की ओर से संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने पन्ना में पर्यटन बढ़ाने के लिए नदी पर बने अनोखे ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट का लोकार्पण किया

पन्ना में समारोह में शामिल सीएम डॉ. यादव व सांसद शर्मा।

पलायन रुका, अब बुंदेलखंड को समृद्ध बनाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है।

सरकार युवाओं की भविष्य, सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बताया कि गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सोनम वांगचुक से भेंट कर विद्यार्थियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार की पहल, दृष्टिकोण और आगामी योजनाओं की रूपरेखा साझा की। सकारात्मक एवं सार्थक संवाद के उपरांत वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रत्येक विद्यार्थी के हितों की रक्षा के लिए निरंतर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज तेज गति से प्रारंभ हो रहे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के हित में निरंतर कार्य कर ही है। विभिन्न पाठ्यक्रमों की व्यवस्था से युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर दिलवाने का प्रयास है। मेडिकल कॉलेज भी तेज गति से प्रारंभ हो रहे हैं। इससे आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेशवासियों को लाभ मिलेगा। वर्तमान में प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 34 है, जो दो वर्ष में बढ़कर 52 हो जाएगी। डॉ. यादव ने पन्ना में हेलीपेड पर मीडिया से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2002-03 में प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। मेडिकल कॉलेज की सीट संख्या भी मात्र 500 थी, जो वर्तमान में साढ़े पांच हजार हो गई है।

पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव सुखबीर को मिली स्वास्थ्य विभाग की कमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने पद संभालते ही पहला आदेश अपने ही विभाग को लेकर किया है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह को स्वास्थ्य विभाग की कमान दी है।

उन्हें आगामी आदेश तक इस विभाग के प्रमुख सचिव अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) से जारी आदेश के अनुसार 1997 बैच के आईएएस सिंह को लोक निर्माण विभाग के वर्तमान कर्तव्यों के साथ अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा प्रमुख सचिव भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग तथा आयुक्त खाद्य सुरक्षा मप्र का प्रभार अतिरिक्त रूप से दिया गया है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक

मंत्री परमार ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सुनीं समस्याएं

कार्यकर्ताओं से चर्चा करते मंत्री परमार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं को सुना। मंत्री इंदर सिंह परमार ने कार्यकर्ताओं की जनसमस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण के लिए प्रेषित किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

पेड़ पर लटका था ऊपरी हिस्सा, नीचे पड़ा था धड़

महामाया पहाड़-जंगल में मिला अज्ञात महिला का काफी पुराना नरकंकाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

नगर के महामाया पहाड़ जंगल में शनिवार को एक अज्ञात महिला का पुराना कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। कंकाल का ऊपरी हिस्सा पेड़ पर साड़ी के सहारे लटका हुआ मिला, जबकि धड़ नीचे जमीन पर पड़ा था।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि शव काफी समय तक फंदे पर लटका रहा, जिसके बाद सड़ने और लगातार हुई बारिश के कारण उसका हिस्सा नीचे गिर गया। जानकारी के अनुसार, ओरियंटल पब्लिक स्कूल के समीप महामाया पहाड़ के जंगल में ड्यूटी पर तैनात एक वनकर्मी की नजर कंकाल पर पड़ी। उसने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

» एक माह पुराना हो सकता है शव

फॉरेंसिक टीम की प्रारंभिक जांच के अनुसार शव लगभग एक माह पुराना हो सकता है। कंकाल के पास मिले कपड़ों के आधार पर मृतक के महिला होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा पिछले एक से डेढ़ महीने के दौरान दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव अत्यधिक सड़-गल जाने के कारण मौत के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

घटना के समय फैक्ट्री में 30 से 40 मजदूर कर रहे थे काम, 8 दमकलों ने बुझाई आग

कार्बन फैक्ट्री में बायलर फटने से हड़कंप, फैक्ट्री के भीतर मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित कार्बन फैक्ट्री में शनिवार दोपहर बायलर फटने से हड़कंप मच गया। ब्लास्ट के साथ ही फैक्ट्री के भीतर भीषण आग लग गई। घटना के समय फैक्ट्री में 30 से 40 मजदूर काम कर रहे थे। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही मजदूरों में भगदड़ मच गई और सभी ने भागकर अपनी जान बचाई। बता दें कि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पूरा इलाका काले धुएं से भर गया। धुएं के साथ केमिकल की तेज बदबू और जलन भी महसूस की जा रही थी।

इससे आसपास के रहवासियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही नगर सेना की दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए करीब 3 घंटे तक लगातार मशक्कत करनी पड़ी। लगभग 8 दमकल वाहनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

फैक्ट्री प्रबंधन से मांगा मामले में जवाब

कोरबा एसडीएम सरोज महिलांगे ने कहा कि आग कब, कैसे और किन परिस्थितियों में लगी, यह जांच का विषय है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। फैक्ट्री प्रबंधन से भी जवाब मांगा जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि इससे पहले भी इसी कार्बन फैक्ट्री में इस तरह की घटना घट चुकी है। बार-बार हो रही घटनाओं से लोगों में नाराजगी है।

फैक्ट्री के आसपास का इलाका सील

कूलिंग का काम भी लगातार जारी रखा गया ताकि आग दोबारा न भड़के। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने फैक्ट्री के आसपास के इलाके को तत्काल सील कर दिया। ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। घटना की जानकारी मिलते ही कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल वाहन की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया।

जन्मदिन सेलीब्रेट करने पहुंचे थे दोस्त

शिवनाथ नदी में फिर हादसा तेज बहाव में बहे दो बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र के छातागढ़ स्थित शिवनाथ नदी में फिर से दर्दनाक हादसा हो गया। जहां शिवनाथ नदी के तेज बहाव में दो बच्चे बह गए।

डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर एक शव को बरामद कर लिया है। पुलिस ने मृतक की पहचान रेहान 14 वर्षीय निवासी उरला के रूप में की है। वहीं एक बच्चे का शव को तलाश में टीम जुटी हुई है। बता दें कि शुक्रवार को मृतक अपने 7-8 दोस्तों के साथ छातागढ़ बर्थडे सेलिब्रेट करने पहुंचे थे। इसी दौरान नहाने उतरे दो बच्चे तेज बहाव में बह गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची लेकिन अंधेरा होने की वजह से टीम सर्च अभियान नहीं कर पाई।

मप्र में महिला सशक्तीकरण योजनाओं को मिलेगी नई रफ्तार, मंत्री निर्मला का बड़ा फैसला

महिला व बाल विकास विभाग में अधिकारियों के सेटअप में फेरबदल के दिशा-निर्देश... अभी से बढ़ गई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिला व बाल विकास विभाग में द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की मैदानी नियुक्तियां अब सीधे मंत्री के निर्देश पर व्यवस्थित तरीके से की जाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है।

इसके लिए महिला सशक्तिकरण तथा पदों के पारदर्शी और सुचारू व्यवस्थापन करने को कहा गया है। विभागीय मंत्री के अनुसार विभाग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए विभागीय भर्ती नियमों की समीक्षा करने तथा विभागीय सेटअप को सुव्यवस्थित करने के आदेश दिए हैं।

उक्त नियम का अभी से होने लगा विरोध, आरोप लगना हुए शुरू

महिला व बाल विकास विभाग के कई मैदानी अधिकारियों ने बताया कि इस तरह का निर्देश सीधे तौर पर मैदानी अधिकारियों-कर्मचारियों को परेशान करने के लिए दिए जा रहे हैं। चूंकि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अभी से इसकी सूचना मैदानी क्षेत्रों में पहुंचाने के साथ ही साथ दिशानिर्देश प्राप्त करने के लिए भी कहा जाने लगा है। कुछ अधिकारियों ने बताया कि पदोन्नति के समय कई लोग दिशानिर्देश प्राप्त नहीं कर सके थे, उन्हें भी हिदायत दी गई है। इस वजह से विभाग में अंदर ही अंदर नाराजगी बढ़ गई है। कई तरह से आरोप लगाना शुरू हो गए हैं।

मैदानी अमले की भूमिका महत्वपूर्ण

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बताया कि विभाग के लगातार बढ़ते कार्यक्षेत्र और नवीन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए मैदानी अमले की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। एकीकृत बाल विकास सेवा और महिला सशक्तिकरण संचालनालय के एकीकरण के बाद भी योजनाओं के दायरे में कोई कमी नहीं की गई है, बल्कि नई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। मैदानी अमले प्रभावी उपयोग राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

भर्ती नियमों की समीक्षा और दूरगामी प्रभाव

प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से न केवल विभागीय तालमेल में सुधार होगा, बल्कि मैदानी स्तर पर निगरानी मजबूत होने से कुपोषण नियंत्रण, बाल संरक्षण और महिला सशक्तिकरण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के सकारात्मक परिणाम और अधिक प्रभावी ढंग से सामने आएंगे। मंत्री सुश्री भूरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पदों के प्रतिस्थापन, प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षण और सेटअप में शामिल करने की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाए।

कार्यक्रमों को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पहल

विभाग ने दावा किया है कि मप्र सरकार ने महिलाओं और बच्चों के सशक्तीकरण तथा संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पहल की है। इसके तहत विभाग में आने वाले द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारियों यानी विकासखंड महिला सशक्तिकरण अधिकारियों के पदों के पारदर्शी और सुचारू व्यवस्थापन के लिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रशासनिक पुनर्व्यवस्थापन की इस योजना के तहत विकासखंड महिला सशक्तिकरण अधिकारियों के पदों को संचालनालयों, महिला-बाल संरक्षण संस्थाओं, संभागीय व जिला कार्यालयों, क्षेत्रीय समन्वय कार्यालयों और प्रशिक्षण केंद्रों के सेटअप में शामिल किया जाएगा। विभिन्न आयोगों और निगमों में कतिपय पदों को प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षित रखने की व्यवस्था भी की जा रही है।

खेत की जुताई के दौरान हादसा ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के मैनपाट विकासखंड में शनिवार को खेत की जुताई के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के टिकरापारा गांव में जुताई करते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक उसके नीचे दब गया और मौके पर ही उसकी जान चली गई। मृतक की पहचान 26 वर्षीय सुरेन्द्र तिग्गा के रूप में हुई है।

पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। भारत ने 26 जुलाई 1999 को इस पर निर्णायक सैन्य विजय हासिल की। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं, यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। ***इन्हीं तैयारियों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अब पाक सरहद पर पुख्ता सुरक्षा तैयारियां

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
वरिष्ठ स्तंभकार

कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया है। डीआरडीओ के पास 10 की अपेक्षा आज तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध का आगाज़ हुआ था। इसका समापन भारत की निर्णायक सैन्य विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संपन्न हुआ। भारत को आखिरकार कारगिल युद्ध क्यों लड़ना पड़ा? कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। सौभाग्य से तोशी नामग्याल नाम के एक शैफर्ड द्वारा भारतीय सरहदी क्षेत्र में पाक घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को तत्काल प्रदान की गई। शेफर्ड ताशी नामग्याल का एक याक गुम हो गया था, उसी को ढूंढते हुए उसने सरहद के कुछ सैन्य बंकरों में सैन्य हलचल देखी। ज्ञात हुआ कि बटालीक पहाड़ियों के भारतीय सैनिक बंकरों पर पाक सैनिकों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया गया।

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन- डीआरडीओ 1958 में स्थापित किया गया था। उस वक्त डीआरडीओ के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थी। आज के दौर में डीआरडीओ के पास तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

आजकल डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में तकरीबन 5000 वैज्ञानिक और 25000 तकनीशियन कार्यरत हैं। सर्वविदित है कि प्रारम्भिक काल में भारत को अपनी सैन्य रक्षा उपकरणों और सामग्री के लिए काफी हद तक तत्कालीन सोवियत रूस पर निर्भर रहना पड़ा था। भारत द्वारा बड़े पैमाने पर फ्रांस, इजराइल और अमेरिका से भी सैन्य अस्त्र-शस्त्र आयात किए जाते रहे हैं।

देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ाए कदम

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात विगत दो दशकों से भारत द्वारा अत्यंत शक्तिशाली ढंग से सैन्य अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए गए। डीआरडीओ द्वारा कॉम्बैट ड्रोन का निर्माण करने की दिशा में बड़ा वैज्ञानिक कारनामा अंजाम दिया गया। तेजस एयर जेट लड़ाकू विमानों का भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया। डीआरडीओ द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल्स का निर्माण संभव हुआ। भारत में बैलिस्टिक मिसाइल्स का भी निर्माण प्रारंभ किया गया। रूस द्वारा प्रदत्त सैन्य तकनीक से भारत में ही ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया गया। अग्नि मिसाइलों का निर्माण किया गया। आकाश मिसाइलों का निर्माण किया गया। नाग मिसाइलों का निर्माण किया गया। डीआरडीओ का मूल मंत्र है- बलस्य मूलम् विज्ञानम् अर्थात शक्ति की बुनियाद में विज्ञान निहित है। इस वर्ष के बजट में डीआरडीओ को तकरीबन 25000 करोड़ का बजट प्रदान किया गया है। डीआरडीओ द्वारा खोजी गई वैज्ञानिक तकनीकों को इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर भारत द्वारा आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों का निर्माण करके युद्ध मैदान के लिए निर्मित किया जाता है। सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्माण मुख्यतः हिंदुस्तान एरॉनोटिक लिमिटेड, बीइएल, एडीए, एल एन्ड टी, टाटा एडवांस और भारत फोर्ज द्वारा किया जाता रहा है।

जापान संग सैन्य सुरक्षा सहयोग

भारत द्वारा अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का प्रबल मुकाबला करते हुए मिसाइल डिफेंस प्रणाली एस 400 का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में ही किया गया है। समुद्र के भीतर 6000 मीटर नीचे चलने वाली पनडुब्बी अरिहंत को हाल ही में न्यूक्लियर अस्त्रों से लैस किया गया है। एएसटीआरए मिसाइल का निर्माण भी भारत में ही किया जा रहा है। हाल ही में जब जापान की प्रधानमंत्री भारत पधारी, भारत और जापान के मध्य एक रक्षा समझौता अंजाम दिया गया। चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए जापान द्वारा अब पुनः एक सैन्य शक्ति बन जाने का निर्णय किया गया है। अमेरिका के सुरक्षा अंब्रेला से जापान का विश्वास पूरी तरह उठ चुका है। विश्व युद्ध के बाद जापान ने सैन्य शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व समाप्त कर दिया था। किंतु एशिया में उत्पन्न हुए हालात को देखते हुए जापान ने अब फिर से सैनिक शक्ति बन जाने की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत के साथ जापान का सैन्य सुरक्षा सहयोग यकीनन एशिया में एक नया सुरक्षी आयाम स्थापित करेगा। विश्व पटल पर अरब देशों के पश्चात, भारत सबसे अधिक सैन्य अस्त्र शस्त्रों को आयात करने वाला राष्ट्र रहा है।

अस्त्र-शस्त्रों का निर्यात

अब तस्वीर शनैः शनैः बदल रही है, क्योंकि भारत अस्त्र-शस्त्रों के निर्यात वाला देश के तौर पर उभर रहा है। फिलिपींस और दक्षिण कोरिया के साथ ही दक्षिण एशिया के अनेक देश भारतीय अस्त्र-शस्त्रों को आयात करने के लिए तत्पर हैं। अस्त्र शस्त्रों के निर्यात में अब भारत वस्तुतः एशिया के देशों में चीन के विकल्प के तौर पर उभर रहा है। भारतीय सेना विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। भारतीय सेना के पास आजकल विश्व श्रेष्ठतम अस्त्र शस्त्र विद्यमान है। भारतीय सेवा के पास तकरीबन 130 न्यूक्लियर वारहेड्स विद्यमान है। भारत द्वारा यूएई को आर्टिलरी अस्त्र निर्यात किए गए हैं। मॉरीशस और म्यांमार को मिसाइल और एयरक्राफ्ट्स निर्यात किए गए हैं। आने वाले वक्त में भारत में निर्मित सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्यात बहुत तेजी के साथ वृद्धि करने वाला है। भारत को वस्तुतः दो युद्ध मोर्चे पर तैयार रहना है, पहला युद्ध मोर्चा पाकिस्तान का है और दूसरा है चीन का। भारत द्वारा विश्व के 20 प्रमुख देशों के साथ अस्त्र शस्त्रों की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर समझौते अंजाम दिए हैं। विगत एक दशक से भारत आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण का एक बड़ा देश बन रहा है।

प्राइवेट सेक्टर को भी अनुमति

अपनी सैन्य शक्ति को अत्यधिक शक्तिशाली बनाने की राह में भारत ने मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर एक मिलिट्री बेस तैयार करना प्रारंभ किया है। हिंद -प्रशांत महासागर में भारत को चीन की सैन्य चुनौतियों का सामना करना है। भारत और मालदीव ने एक सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मालदीव के सिवारू द्वीप पर भारत और मालदीव एक साथ रक्षात्मक तैयारी अंजाम देंगे। भारत में विगत कुछ वर्षों के दौरान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अत्यंत शक्तिशाली बनाने की कोशिश की है। आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शास्त्रों के निर्माण क्षेत्र में भारत ने प्राइवेट सेक्टर को भी प्रवेश करने की अनुमति प्रदान की है। पाकिस्तान द्वारा सैन्य शक्ति से कश्मीर को हड़पने के लिए संचालित प्रॉक्सीवार का विगत 38 वर्षों से भारत ने कामयाबी के साथ प्रबल मुकाबला किया है। विश्व के सात देशों में शामिल है भारत, जोकि अपने ही देश में आधुनिकतम फाइटर जेटों का, आधुनिकतम टैंकों का, पनडुब्बियों का, मिसाइलों का निर्माण करने में सक्षम हैं। विगत 4 वर्षों के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने तकरीबन ढाई लाख करोड़ रुपये भारतीय सेना का आधुनिकरण करने के लिए खर्च किए हैं।

चीन निर्मित पाक पनडुब्बियां बनी नई सामरिक चुनौती

संघर्ष
रमेश चंद्र
रि. नायब सूबेदार

प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाकर उन वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए भारत की सीमाओं की रक्षा की। कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना की आर्टलरी व आर्मर्ड कॉर्प्स का जम्मू एरिया में बहुत बड़ा योगदान था। आर्टलरी की बोफोर्स तोपों की मदद से हमारी विजय की गाथा लिखी गई। कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं था, बल्कि उसने देश को यह सीख भी दी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही घातक साबित हो सकती है। शत्रु की रणनीति समय के साथ बदलती रहती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार नए खतरों के अनुरूप मजबूत बनाना आवश्यक है।

आज जब हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं, तब यह समझना भी जरूरी है कि भविष्य की चुनौतियां अब केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं हैं। समुद्र की गहराइयों में भी ऐसे खतरे आकार ले रहे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कारगिल युद्ध और उसके बाद कई प्रत्यक्ष तथा परोक्ष संघर्षों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव किया है। थल सीमा पर भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति को देखते हुए उसने समुद्री क्षमता बढ़ाने पर जोर देना शुरू किया है। इस दिशा में उसे सबसे बड़ा सहयोग चीन से मिल रहा है। चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है। ये चीन की युआन श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियों का निर्यात संस्करण हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने 'हांगोर श्रेणी' नाम दिया है। अगले कुछ वर्षों में इन सभी के पाकिस्तान नौसेना में शामिल होने की संभावना है, जिससे उसकी समुद्री क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी विशेषता एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली है। सामान्य डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को कुछ दिनों बाद बैटरियां चार्ज करने के लिए समुद्र की सतह पर आना पड़ता है। ऐसा करते समय उनके रडार या समुद्री गश्ती विमानों की नजर में आने की संभावना बढ़ जाती है। इसके विपरीत, एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां लगभग पंद्रह से बीस दिनों तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराई में रह सकती हैं। इससे उनका पता लगाना और उन्हें निशाना बनाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। अरब सागर जैसे विशाल समुद्री क्षेत्र में ऐसी पनडुब्बियां किसी भी नौसेना के लिए बड़ी चुनौती बन सकती हैं। यह खतरा केवल सैन्य दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार और ऊर्जा आयात समुद्री मार्गों के माध्यम से होता है। यदि किसी संघर्ष की स्थिति में पाकिस्तान इन पनडुब्बियों की मदद से व्यापारिक जहाजों, तेल आपूर्ति या महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित करने का प्रयास करता है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भविष्य में यदि इनसे लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का संचालन होता है, तो भारत के तटीय शहरों, नौसैनिक अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान के साथ उसका गहरा होता सैन्य सहयोग भारत के लिए दोहरे दबाव की स्थिति पैदा करता है। चीन लंबे समय से हिंद महासागर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रहा है और पाकिस्तान इसमें उसका महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। इनमें स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणाली जोड़ने की दिशा में भी कार्य चल रहा है। इसके अलावा पी-8आई पोसाइडन समुद्री टोही विमान, एमएच-60आर रोमियो हेलीकॉप्टर और आधुनिक पनडुब्बी रोधी प्रणालियां हिंद महासागर क्षेत्र में हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने में सक्षम हैं।

चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाक के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है।

प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत नई पीढ़ी की अत्याधुनिक पनडुब्बियों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा तकनीक और समुद्री निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं है। यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। यदि भारत सतर्कता, आधुनिक तकनीक और मजबूत रक्षा तैयारियों के साथ आगे बढ़ता रहा, तो समुद्र से उठने वाली हर चुनौती का भी प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। यही कारगिल विजय दिवस का सबसे बड़ा संदेश है और यही उन अमर शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहे हम

मेक इन इंडिया
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में रक्षा उत्पादन का भारतीयकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी और नीतिगत सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत तेजी से बढ़ रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इस साल के कुल रक्षा उत्पादन के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब तेईस हजार करोड़ ज्यादा है। वित्त वर्ष यानी 2023-24 में यह आंकड़ा एक लाख 27 हजार 434 करोड़ था। अगर शुरुआती वर्ष यानी 2014-15 के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो यह वृद्धि करीब 174 प्रतिशत ज्यादा है। तब भारत ने 46429 करोड़ का उत्पादन किया था।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रक्षा उत्पादन की निगरानी और नीतिगत सहयोग के लिए मोदी सरकार ने अलग से रक्षा उत्पादन विभाग बनाया है, जिसके अधीन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा उत्पादक कंपनी के रूप में उभरी है। इस क्षेत्र में देश की अग्रणी निजी कंपनियां और कारोबारी समूहों मसलन, टाटा, एलएंडटी और कल्याणी आदि अब मिसाइल, तोप और बख्तरबंद वाहन निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। नीतिगत बदलावों के चलते जहां बड़े कारपोरेट हाउसों के साथ ही छोटे कारपोरेट हाउसों और स्टार्टअप्स को भी मौका मिला है। रक्षा उत्पादन विभाग और वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोलह हजार लघु और मध्यम वर्ग की कंपनियां भी स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पादन के लिए 462 कंपनियों को 788 रक्षा औद्योगिक लाइसेंस जारी किए गए हैं। रक्षा उत्पादन में नीतिगत सुधार और निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का ही असर है कि आज देश, अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया समेत दुनिया के सौ से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। जहां तक रक्षा उत्पादन में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की बात है, देश के कुल रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल योगदान 77 प्रतिशत है, जबकि बाकी निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी साल-दर-साल लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी जहां 21 प्रतिशत थी, जिसमें दो फीसद का इजाफा हो चुका है। यह भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र की तेजी से बढती भूमिका को स्पष्ट करता है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की प्रगति उल्लेखनीय हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के निर्यात की तुलना में बीते वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये यानी करीब 12.04 फीसद की बढ़त दर्ज की गई है। सरकार ने वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण और 50,000 करोड़ के रक्षा निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इन गतिविधियों से भारत न केवल अपने आर्थिक विकास को गति दे रहा है, बल्कि वैश्विक रक्षा उत्पादन और विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ भी कर रहा है। भारत के रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन और निर्यात के पीछे सरकारी नीतियों में आया बदलाव है। इससे भारतीय रक्षा उत्पादन क्षेत्र लगातार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन नीतियों ने रक्षा क्षेत्र को आयात-निर्भरता से मुक्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। सरकार ने रक्षा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की दिशा में विदेशी निवेश को 74 प्रतिशत तक कर दिया है। मोदी सरकार का लक्ष्य 2030 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ तक पहुंचाने का है।

जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब देश स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। जिस तरह निजी उद्योग को मौका दिया है, उससे आने वाले दिनों में निजी क्षेत्रों की भागीदारी और ज्यादा बढ़ेगी, रक्षा उपकरण और भी ज्यादा संख्या में स्वदेशी होंगे।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है।

दर्द, गर्व और राष्ट्र के सम्मान का दिन

कारगिल विजय दिवस
डा. विवेक बाल्यान
स्वतंत्र पत्रकार

देश आज का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि शौर्य, बलिदान और राष्ट्र-गौरव प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारत ने 26 जुलाई को ही कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी और दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अपनी सीमाओं, अपने सम्मान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह से सक्षम है। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर लड़ी गई यह लड़ाई साधारण नहीं थी। यह युद्ध ऊंचाई पर कठोर मौसम में लड़ा गया, जहां हर कदम पर मौत का खतरा था। इसके बाद भी भारतीय सेना ने अदम्य साहस, अनुशासन और देशभक्ति के बल पर विजय पताका फहराई। शोर्य बलिदान की इस गाथा में हरियाणा की भूमि पर जन्में 75 वीर सपूतों ने भी अपने प्राण न्यौछावर किए। ये केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि वे नाम हैं जिनके पीछे इन सपूतों के परिवारों का दर्द, गांवों का गर्व और राष्ट्र का सम्मान छिपा हुआ है।

हरि की धरा हरियाणा की मिट्टी को हमेशा से वीरता, परिश्रम और देशसेवा की भूमि माना गया है। यहां के किसान जिस तरह खेतों में पसीना बहाते हैं, उसी तरह उनके बच्चे सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। हरियाणा का सामाजिक और सांस्कृतिक चरित्र ही ऐसा रहा है कि यहां सैनिक बनना केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान और परंपरा का विषय रहा है। जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब हरियाणा के अनेक जवान अग्रिम पंक्ति में दुश्मन के सामने खड़े थे। उन्होंने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि उसमें सर्वोच्च बलिदान भी दिया। कारगिल के युद्ध में शहीद हुए हरियाणा के 75 जवान इस राज्य की सैन्य परंपरा को अमर कर गए। उनके बलिदान ने यह साबित कर दिया कि हरियाणा की वीरता केवल कथाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक युद्धभूमि में भी उतनी ही प्रखर है। कारगिल युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ा गया। हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियां, भीषण ठंड, दुर्गम चढ़ाई, सीमित ऑक्सीजन और दुश्मन की पहले से बनाई गई मजबूत स्थिति- इन सबके बीच भारतीय सैनिकों ने असंभव लगने वाली इस लड़ाई को जीता। विजय के इस अभियान में हरियाणा के शहीदों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। वे अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से इस राष्ट्रीय विजय का हिस्सा बने। कारगिल विजय दिवस मनाने का अर्थ केवल एक युद्ध में भारत की जीत की याद ताज़ा करना नहीं है। यह दिन हमें यह भी स्मरण कराता है कि हमारे सैनिक ने किस कीमत पर हमें सुरक्षित जीवन प्रदान किया। जब देश के नागरिक अपने घरों में चैन से रहते हैं, तब सीमा पर जवान हिमपात, गोलियों और दुश्मन की घेराबंदी से जूझ रहे होते हैं। इस वास्तविकता को हम अक्सर तभी महसूस करते हैं जब कोई युद्ध या शहादत की बड़ी घटना सामने आती है। कारगिल युद्ध ने पूरे देश को यह समझाया कि सैनिकों का बलिदान सिर्फ समाचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का हिस्सा है। हरियाणा के शहीदों ने इस भावना को और भी गहराई दी। उनकी शहादत केवल सैन्य इतिहास में दर्ज नहीं, बल्कि हरियाणा की लोक-स्मृति और जन-चेतना में हमेशा जीवित रहेगी। कारगिल विजय दिवस पर जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि उस झंडे की ऊंचाई के पीछे कितने परिवारों की वेदना छिपी है। हरियाणा के शहीदों ने इस तिरंगे की ऊंचाई के लिए अपना जीवन दिया। उनका रक्त इस ध्वज की लाली में शामिल है। उनका साहस इस राष्ट्र की आत्मा में मौजूद है। उनका नाम लेकर जब हम श्रद्धांजलि देते हैं, तब हम केवल अतीत को नहीं देखते, बल्कि एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो अधिक कृतज्ञ, अधिक मजबूत और अधिक एकजुट हो।आज की पीढ़ी के लिए कारगिल विजय दिवस का संदेश बहुत स्पष्ट है। यह दिन बताता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल नारे से नहीं होती, उसके लिए बलिदान चाहिए। कारगिल विजय दिवस हरियाणा के लिए विशेष गर्व का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना।

इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आज भले हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी बहादुरी, उनकी निष्ठा और उनका त्याग हमेशा जीवित रहेगा। कारगिल विजय दिवस पर हरियाणा के इन वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता।

खबर संक्षेप

सोनिया वोटर लिस्ट विवाद 13 को आएगा फैसला

नई दिल्ली। मतदाता सूची मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली याचिका पर राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश कोर्ट ने फैसला टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मामले में आदेश 13 अगस्त को सुनाया जाएगा। अदालत ने सोनिया गांधी और शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी को एक अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का समय भी दिया है।

'वारिस पंजाब दे' का वांटेड गिरफ्तार

चंडीगढ़। इंडो-नेपाल सीमा पर एसएसबी और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। खालिस्तानी अलगाववादी संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े वांटेड बिक्रमजीत सिंह और बिना वीजा भारत में घुस रहे एक सिख अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले में मदद करने वाले 3 स्थानीय लोगों समेत कुल 5 गिरफ्तार हुए हैं। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा से सशस्त्र सीमा बल की 42वीं बटालियन और पुलिस ने 22 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्रवाई की। एसएसबी ने अवैध रास्ते से नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश कर रहे वांटेड अभियुक्त बिक्रमजीत सिंह और अमेरिकी नागरिक मनबीर सिंह ढिल्लों को पकड़ा।

रेड्डी कतर में भारत के नए राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक के. श्रीकर रेड्डी को कतर में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को उनकी नियुक्ति की घोषणा की। भारतीय विदेश सेवा के 2001 बैच के अधिकारी रेड्डी फिलहाल अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत के रूप में कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह जल्द ही दोहा में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। रेड्डी कतर में मौजूदा भारतीय राजदूत विपुल का स्थान लेंगे। नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब भारत और कतर के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा प्रवासी भारतीयों से जुड़े संबंध महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थः डॉ. हिमांशु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| वाराणसी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र वाराणसी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर व्याख्यान

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र द्वारा शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर शनिवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी शामिल हुए। अपने व्याख्यान में डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा में किए जा रहे नए नीतिगत बदलावों का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील बनाना है।

उन्होंने कहा कि जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थ है। डॉ. द्विवेदी ने पौराणिक एवं धार्मिक कथाओं के समृद्ध स्वरूप के माध्यम से अपने तर्कों को प्रस्तुत करते हुए व्याख्यान को सार्थक बनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र राणा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अश्विनी सिंह ने किया।

संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है

इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह, पशुपालन विभाग, बीएचयू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, वाराणसी ने की। स्वागत वक्तव्य एवं विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरुप्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार का अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को हम आत्मसात करना चाहते हैं, वह संस्कारों के बिना अधूरी है।

सभी को समान शिक्षा मिले

मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने शिक्षा की प्रशासनिक एवं आर्थिक स्वायत्तता की बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि परिसर में सभी को समान शिक्षा मिले। उन्होंने आजादी के बाद से वर्तमान तक की शिक्षा नीतियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विवेचना की।

अकबर के बाद मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में है यह दूसरा इस्तीफा

प्रधान का इस्तीफा, सरकार के लिए झटका यह उस पीढ़ी की जीत, जिसे कहा गया कॉकरोच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जेन-जी के आंदोलन और विपक्ष के दबाव से आना पड़ा बैकफुट पर

नीट पेपर लीक पर मचे बवाल और देशभर में चल रहे आंदोलन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधान का इस्तीफा उस पीढ़ी की जीत है, जिसे काकरोच यानी 'तिलचट्टा' कहा गया। मोदी सरकार किसान आंदोलन से नहीं झुकी, सीएए-एनआरसी के विरोध से नहीं डिगी, कोविड मैनेजमेंट की आलोचना से नहीं हिली, उसी सरकार को जेन-जी ने बैकफुट पर आने को मजबूर कर दिया।

प्रधान का इस्तीफा मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में दूसरा इस्तीफा है। पहला 2018 में एमजे अकबर का था, जिन्होंने #मीटू आंदोलन के बीच इस्तीफा दिया था।

प्रधान का जाना सिर्फ एक मंत्री का जाना नहीं है। यह बीजेपी के लिए 2014 के बाद का अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। यह उस पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है जिसने एक दशक तक विपक्ष, किसानों और संस्थाओं को झुकते देखा था।

जमीनी मूड को नहीं पढ़ पाई

बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत जमीनी मूड को पढ़ने और उसी के हिसाब से नैरेटिव को कंट्रोल करने की क्षमता थी। लेकिन इस बार पार्टी ने अपना यह सबसे बड़ा एज खो दिया। नीट पेपर लीक के विरोध को शुरू में एक 'ऑनलाइन मजाक' समझा गया, लेकिन यह 'मजाक' सीजेपी में बदल गया, जिसे दुनिया भर ने 'जेन-जी आंदोलन' करार दिया। जब सोनम वांगचुक का अनशन चल रहा था, तब तक कोई सुर्खी नहीं बन पाई थी। लेकिन जैसे ही सरकार ने उन्हें सफेद चादर में लपेटकर अस्पताल पहुंचाया, वो वीडियो इंस्टाग्राम से एक्स तक वायरल हो गया। एक ऐसी पीढ़ी ने उन्हें चुनौती दी, जिसे 'सिख अलगाववादी', 'मुस्लिम आतंकवादी' या 'पाकिस्तानी घुसपैठिया' नहीं कहा जा सकता था। वो उनकी अपनी हिंदू, मिडिल-क्लास और पढ़ी-लिखी संतानें थीं।

पार्टी के भीतर का 'भूचाल'

यह इस्तीफा सिर्फ बाहरी दबाव नहीं था, बल्कि बीजेपी के भीतर के सियासी भूचाल को भी दिखाता है। प्रधान सिर्फ एक मंत्री नहीं, बल्कि ओडिशा में बीजेपी के 20 सांसदों के 'नेता' थे। जब उन पर इस्तीफे का दबाव बढ़ा, तो उन्होंने 22 जुलाई को इन 20 सांसदों के साथ एक फोटो पोस्ट करके स्पष्ट संकेत दिया। 'मुझे हटाने की कोशिश करो और देखो क्या होता है।' यह इस्तीफा दिखाता है कि बीजेपी के अंदरूनी गलियारों में भी दरार आ गई है।

विपक्ष को मिली बड़ी जीत'

बीजेपी 12 सालों से विपक्ष को 'नाकाम' करने में माहिर रही है। किसान आंदोलन से लेकर सीएए तक, कांग्रेस कभी भी बीजेपी को पीछे हटाने में कामयाब नहीं हुई। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। राहुल गांधी ने 21 जुलाई को पीएम आवास के बाहर धरना दिया। पुलिस का उन्हें उठाकर ले जाने वाले कारनामे ने सियासी मैसेज दे दिया। सीजेपी की मांगों के साथ विपक्ष का यह तालमेल बीजेपी के लिए मुश्किल बना। अगर प्रधान को हटाया जाता, तो इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी और सीजेपी को जाता। इस वजह बीजेपी ने पूरी कोशिश की कि प्रधान न हटे, लेकिन आखिरकार ऐसा ही हुआ. यह मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी की पहली बड़ी राजनीतिक जीत है।

12 साल की छवि का पूरा ढांचा ढह गया

बीजेपी ने 12 सालों में एक सख्त छवि बनाई थी कि कोई भी सड़क पर उतरकर मंत्री का इस्तीफा नहीं निकाल सकता। 2020 का किसान आंदोलन हो, सीएए का विरोध हो, या 2021 का कोविड प्रबंधन, सरकार कभी नहीं झुकी। बीजेपी का स्टैंड था कि 'हमारे मंत्रियों को इस्तीफा नहीं देना पड़ता।' लेकिन 26 जुलाई को वो स्टैंड ढह गया। यानी जिस सरकार ने 'मजबूत' और 'अडिग' होने का नारा दिया, उसे जेन-जी के सामने झुकना पड़ा।

नीट पेपर लीक : शनिवार को भी देशभर में प्रदर्शन

सीवान में पथराव से एसपी घायल यूपी-एमपी, राजस्थान में भी हंगामा

एजेंसी ▶▶| पटना

नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शनिवार को भी प्रदर्शन किया। बिहार में बंद के दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। सीवान में भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे गए। 10 राउंड से ज्यादा सीधी फायरिंग हुई है।

प्रदर्शनकारी की पत्थर से सीवान एसपी पूरन झा के हाथ में चोट लगी है। करीब 6 जिलों में पत्थर चले हैं। इधर, छपरा में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए सरकारी बिल्डिंग में चढ़कर पोस्टर फाड़े। पुलिस बैरिकेडिंग लेकर भागते नजर आए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में 10 हजार लोगों ने भारी बारिश का बावजूद सड़कों पर प्रदर्शन किया।

इस्तीफे के बाद जश्न भी

शनिवार को मध्यप्रदेश के 20 शहरों में प्रदर्शन हुए। इंदौर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खुशी मनाते हुए मिठाई बांटी और धरना खत्म करने का ऐलान कर दिया। प्रयागराज में भी छात्र जश्न मना रहे हैं। जयपुर, राजस्थान में शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स जुटे हैं। इस्तीफे की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में छात्र नाच-गाकर खुशियां मनाईं। पंजाब के जालंधर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स डीसी ऑफिस घेरने पहुंचे। उनका कहना है प्रधान का इस्तीफा स्वीकार होना चाहिए।

बाल सुधार गृह के 43 बाल बंदी संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के चास स्थित बाल सुधार गृह में फ्लू संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। बाल सुधार गृह में रह रहे कुल 43 बाल बंदियों में से 20 फ्लू से संक्रमित पाए गए हैं। संक्रमण की पुष्टि होते ही सभी बच्चों को स्वास्थ्य जांच के लिए बोकारो सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान एक बाल बंदी की हालत गंभीर पाई गई। डॉक्टरों ने उसे तुरंत सदर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। चिकित्सकों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर हुआ बड़ा हमला

एजेंसी ▶▶| दुबई

सऊदी अरब में एक बार फिर टेंशन बढ़ गई है। यमन से दागे गए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने जिजान के एक अहम औद्योगिक शहर और अरामको से जुड़ी तेल सुविधा को निशाना बनाया। हमले के बाद कई इलाकों की बिजली गुल हो गई और यनबू प्रांत के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी करना पड़ा। सऊदी और यमन के बीच दुश्मनी एक बार फिर अपने चरम पर पहुंचती दिख रही है।

यमन से दागे गए मिसाइल और ड्रोन से सऊदी अरब दहला

टाइमिंग क्यों अहम है?

ये हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे क्षेत्रीय युद्ध की वजह से पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव है। शुक्रवार देर रात सऊदी अरब ने खुद यमन के हूती नियंत्रित शहर होदेइदा पर हमले किए थे। इसके जवाब में हूती विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी थी कि ये हमला सऊदी अरब को महंगा पड़ेगा। हूती से जुड़े अल-मसीरा टीवी के अनुसार होदेइदा में दूरसंचार प्राधिकरण की सुविधाओं को निशाना बनाया गया और कमरान द्वीप पर भी हमले हुए, जिसमें एक महिला घायल हुई।

कॉमनवेल्थ गेम्स : झंडू ने दिलाया पहला मेडल, जीता ब्रॉन्ज

ग्लासगो। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपना खाता खोला है। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने ग्लासगो में पुरुषों की हेवीवेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस के अपने आखिरी प्रयास में 212 किलो का वजन उठाने में नाकाम रहने के बाद झंडू कुमार का मेडल पक्का हो गया, जो भारत का पहला मेडल है। पोलिया और पैसों की तंगी से जूझने वाले 28 साल के इस खिलाड़ी ने 181 किलोग्राम और 190 किलोग्राम के सफल लिफ्ट के बाद 130.9 अंक जुटाए। वह आखिरी प्रयास में 196 किलोग्राम का वजन नहीं उठा पाए। भारतीय बॉक्सर जदुमणि सिंह ने पुरुषों की 55 किलोग्राम स्पर्धा में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में स्कॉटलैंड के एरॉन कलन को एकमत से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना पाकिस्तान की सुमामा रहमान से होगा।

बच्चों का भविष्य संवारने श्रमदान कर टूटे पुल के नीचे से निकाला रास्ता

जहां चाह, वहां राह....मुंह ताकने के बजाय गांव वालों ने खुद निकाला 'रास्ता'

गुहार लगाकर थक चुके तो ग्रामीणों ने लकड़ी से

मोहला। मानपुर विकासखंड के खुरसेखुर्द और सहपाल के बीच नाले में पुल निर्माण को लेकर आवेदन निवेदन कर थक चुके ग्रामीणों ने बास बल्ली से निर्मित पुल ढांचा तैयार कर आवागमन कर रहे हैं। इसी तरह खडगांव तहसील के जक्के पदभर्री के बीच खडका नाला में पुल की जर्जर स्थिति के कारण ग्रामीण आज भी बांस के टाट के सहारे नदी पार करने को मजबूर हैं। सुरक्षित पुल की व्यवस्था नहीं होने से रोजाना स्कूली बच्चों, किसानों और आम लोगों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। इसी दौरान हुए दर्दनाक हादसे में होनहार युवक बृजलाल बोगा की नदी में गिरने से मौत हो गई।

हरिभूमि खास

कसडोल। कसडोल से 30 कि.मी. दूर महानदी के तट पर बसे आदिवासी बाहुल्य ग्राम दौनाझर व घिरघोल के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन को आईना दिखाते हुए अपने मेहनत तथा आपस में चंदा एकत्र कर गांव के नजदीक पुटपुरा (पिपरछेड़ी) नाला में 65 फीट लम्बा, 20 फीट चौड़ा और 2 फीट मोटा कुल 8 लाख रुपए खर्च कर पुलिया का निर्माण कर लिया है। ग्रामीणों के इस पहल ने लोगों को जहां चाह वहां राह का संदेश दिया है। ग्रामवासियों की एकता, आपसी सामंजस्य से बड़े से बड़ा काम किया जा सकता है। बीते दिनों ग्रामीणों ने नवर्निमित पुलिया का विधि-विधान से पूजा अर्चना कर स्वनिर्मित पुल का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से इस नाले में पुलिया बनाने के लिये हर तरह से प्रयास किये गये पर आश्वासन के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ।

होर्मुज में 'दिशा' पर मिसाइल हमला, 28 भारतीय सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य मां तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच मोजाम्बिक के ध्वज वाले एक एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर मिसाइल हमले की जानकारी सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि टैंकर में सवार चालक दल के सभी 28 भारतीय नागरिकों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यह घटना बीते शुक्रवार को जलडमरूमध्य के पास ईरान के जलक्षेत्र में हुई थी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह घटना के तुरंत बाद से स्थानीय ईरानी अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं। यहां बता दें कि अमेरिका-इजरायल द्वारा इस साल 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले के बाद इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। जिसके बाद जून में दोनों पक्षों में दो महीने का सीजफायर हुआ था। जो बीच में ही टूट गया और फिर एक बार से यह युद्ध भड़क गया है।

ईरान की राजधानी तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने की घटना की पुष्टि

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सारनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को आखिरकार यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार को यह ऐतिहासिक घोषणा की गई। करीब 28 वर्षों के इंतजार के बाद मिली इस मान्यता के साथ सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इससे उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को वैश्विक पहचान मिलने के साथ पूर्वांचल के धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

सारनाथ को तीन जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लंबे समय तक चली प्रक्रिया के बाद अब इसे विश्व धरोहर का दर्जा मिला है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी ही विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल थे।

बौद्ध धर्म सारनाथ क्यों महत्वपूर्ण?

सारनाथ, वह पावन धरती है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद मानवता को अपना प्रथम उपदेश देकर 'धर्मचक्र प्रवर्तन' का शुभारंभ किया था। आज यह विश्व धरोहर के रूप में विशिष्ट पहचान प्राप्त कर चुका है। बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में 'ऋषिपत्तन' के नाम से वर्णित किया गया है। यही वह ऐतिहासिक स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने अपने पहले पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश समस्त मानवता तक पहुंचाया। आज यह गौरवशाली विरासत वैश्विक मंच पर और अधिक प्रतिष्ठित हो गई है। करीब 2600 वर्षों से सारनाथ बौद्ध आस्था और तीर्थ परंपरा का प्रमुख केंद्र रहा है। यह स्थल आज भी बौद्ध मठ जीवन, प्राचीन स्थापत्य और

48वें सत्र की बैठक में निर्णय

यह निर्णय दक्षिण कोरिया के बुसान में जारी संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र की बैठक के दौरान लिया गया। यूनेस्को ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में नया नामांकनः प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, भारत। सारनाथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला भारत का 45वां स्थल है।

हर भारतीय के लिए गर्व का क्षणः मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। उत्तर प्रदेश के सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर मैं काफी प्रसन्न हूं। उन्होंने कहा कि सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध है, जिनका ज्ञान, करुणा और सद्भाव का शाश्वत संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सम्मान भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव है। साथ ही, इससे दुनिया भर के अधिक से अधिक लोग सारनाथ आएंगे और भगवान बुद्ध के आदर्शों से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे।

सीबीआई के बाद अब ईडी ने सोनवानी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीजीपीएससी गड़बड़ी प्रकरण में सीबीआई के बाद अब ईडी की एंट्री हो गई है। जांच एजेंसी ने सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सोनवानी को शनिवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर उन्हें पीएमएलए कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने पुलिस रिमांड के लिए आवेदन पेश किया। कोर्ट ने पूछताछ करने सात दिनों 31 जुलाई तक की पुलिस रिमांड स्वीकृत की है। सीजीपीएससी भर्ती घोटाला में मनी लांड्रिंग पाए जाने पर ईडी ने टामन सोनवानी को गिरफ्तार किया है। टामन सोनवानी फिलहाल जेल में बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनवानी से सीजीपीएससी भर्ती घोटाले की राशि को किस तरह से मैनेज करने के साथ किन किन लोगों तक पहुंचाया गया, इसकी जांच करेगी। इसके साथ ही घोटाले की रकम में से उन्हें कितनी राशि प्राप्त हुई, ईडी के अधिकारी इस एंगल से उनसे पूछताछ करेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

- *बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद*
- *दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास*
- *विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह*

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो सक्सेशन सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

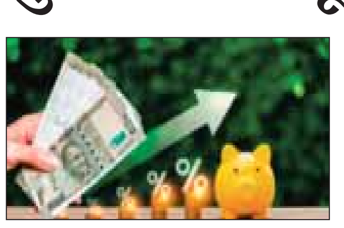

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभः लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

●शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ●मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ●हर साल बढ़ोतरी : 10% ●अवधि : 32 वर्ष ●अनुमानित रिटर्न : 12% ●कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ●अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ●मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ●अवधि : 12 वर्ष ●कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

दाखिला शून्य...ट्राइबल स्टडीज में नहीं मिले एक भी छात्र, पहले बैच में ही हालत खराब

रविवि अध्ययनशाला के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग का हाल

सर्टिफिकेट कोर्स इन संस्कृत में भाषायी ज्ञान बन रहा बाधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के अध्ययनशाला में संचालित कई पाठ्यक्रमों में छात्र संख्या दहाई तक पहुंच पाना कठिन हो जाता है। इस बार स्थिति इससे भी अधिक खराब हो गई है। रविवि अध्ययनशाला के एक पाठ्यक्रम में एक भी छात्र नहीं मिल सका है। इस कारण यह कोर्स ही शुरू नहीं हो सका है। मामला एमए इन ट्राइबल स्टडीज का है। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत इसका अध्ययन प्रारंभ किया गया था। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इसकी शुरुआत होनी थी। विद्यापरिषद और कार्यपरिषद की बैठक में इसे लेकर पहले ही प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। प्रथम बैच होने के कारण इसके लिए ऑफलाइन आवेदन भी स्वीकार किए जा रहे हैं। इसके लिए सीट संख्या 20 निर्धारित है।

एक भी छात्र नहीं मिल पाने के कारण इस वर्ष इसकी पढ़ाई प्रारंभ होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। ऐसे में अगले शैक्षणिक सत्र से उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कोशिश की जाएगी। विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में दाखिले 14 अगस्त तक होंगे।

प्रारंभ करेंगे

विद्यार्थियों के प्रवेश लेते ही कोर्स प्रारंभ कर देंगे। फिलहाल किसी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया है।
- प्रो.रविंद्र ब्रम्हे, प्रभारी, भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग

दिल्ली से आ रहे हैं शिक्षक

एमए इन ट्राइब्ल स्टडीज के अलावा भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत संस्कृत में सर्टिफिकेट प्रोग्राम भी प्रारंभ किया गया है। इसमें प्रवेश के लिए संस्कृत की थोड़ी जानकारी होना जरूरी है। यही कारण है कि इसमें भी प्रवेश की गति थोड़ी कम है। केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली के साथ हुए रविवि के एमओयू के तहत यह सर्टिफिकेट कोर्स संचालित हो रहा है। इसके अध्यापन के लिए शिक्षक भी दिल्ली से ही आते हैं। छात्रों को सर्टिफिकेट भी दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विवि द्वारा ही प्रदान किया जाता है। बीते वर्ष प्रारंभ हुए इस सर्टिफिकेट कोर्स में 20 छात्र अध्ययनरत थे। दूसरे बैच के लिए भी छात्र मिलने की उम्मीद विभाग को है।

यूसीसी की पहली बैठक अब समिति लेगी सुझाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में समान नागरिक संहिता(यूसीसी) लागू करने एवं इसके प्रारूप का मसौदा तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया जिसकी पहली बैठक शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई। समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना प्रकाश देसाई ने की। समिति में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह तथा एमके राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य ज्योति रानी सिंह सदस्य के रूप में शामिल हुए।समिति राज्य में वर्तमान में लागू पारिवारिक विधिक व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगी।

सेन्ट्रल जेल में गूंजी शहनाई विचाराधीन बंदी ने लिए सात फेरे

अदालत की विशेष अनुमति से हुई शादी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

अलग खबर

केन्द्रीय जेल जगदलपुर में शुक्रवार को न्यायालय की अनुमति से एक विचाराधीन बंदी ने प्रेमिका के साथ सात फेरे लिए। इस विवाह के साक्षी बने जेल प्रशासन, अधिवक्ता और समाजसेवी जो वर व वधु पक्ष की ओर से विवाह में शामिल हुए। दोनों पक्षों से सीमित सदस्यों को इस विवाह में शामिल होने की अनुमति थी। जेल प्रशासन के मुताबिक केंद्रीय जेल जगदलपुर में निरुद्ध विचाराधीन बंदी सुरेश सेठिया का विवाह न्यायालय की विशेष अनुमति एवं वर-वधू दोनों पक्षों के परिजनों की आपसी सहमति से केंद्रीय जेल परिसर में विधि-विधान एवं सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। विवाह समारोह के आयोजन के लिए प्रशासन ने न्यायालय द्वारा प्रदत्त अनुमति का पूर्णतः पालन किया। विवाह के दौरान जेल प्रशासन द्वारा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही विवाह की रस्मों को पूरी करने के लिए सारी व्यवस्था की गई थी जिससे विवाह कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका।

जेल में 15 साल बाद गूंजी शहनाई

इस अवसर पर दोनों परिवारों के सीमित सदस्य न्यायालय की अनुमति एवं जेल नियमों के अनुरूप उपस्थित रहे। विवाह की समस्त प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए संपन्न की गई। इससे पहले लगभग डेढ़ दशक पूर्व ऐसा ही एक बार जेल में कोर्ट की अनुमति से विवाह कराया गया था यह दूसरी दफा है जब 15 वर्ष बाद जेल में शहनाई बजी।

आदेश पर कराया गया विवाह

न्यायालय की अनुमति प्राप्त होने तथा दोनों परिवारों की सहमति के उपरांत मानवोचित एवं विधिसम्मत दृष्टिकोण अपनाते हुए विवाह की आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई। जिसके बाद वर वधू का विवाह पंडित द्वारा सम्पन्न कराया गया।
-**अक्षय तिवारी**, अधीक्षक, केन्द्रीय जेल

सात माह से जेल में है आरोपी

आरोपी सुरेश सेठिया लगभग सात माह से दुष्कर्म के मामले से जेल में बंद है। जिस युवती से दुष्कर्म के मामले में उसे जेल भेजा गया था, अपनी उसी प्रेमिका के साथ धूमधाम से उसने जेल में फेरे लिए। दरअसल आरोपी सुरेश सेठिया के खिलाफ उसकी प्रेमिका के परिजनों ने शादी का झांसा देने और दुष्कर्म करने का मामला बोधघाट थाने में दर्ज कराया था। कोर्ट के आदेश पर आरोपी सुरेश सेठिया को न्यायिक हिरासत में केंद्रीय जेल भेज दिया गया था। इस दौरान उसकी प्रेमिका उससे मिलने केंद्रीय जेल आती रही। इस बीच एक बार फिर दोनों ने शादी करने की सहमति जताई जिसके बाद आरोपी द्वारा इसकी जानकारी केंद्रीय जेल प्रबंधन को दी गई और वकीलों के माध्यम से कोर्ट में शादी करने का हलफनामा दिया गया।

एसजीआई ने बनाई वैश्विक पहचान

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित एसजीआई बेडिंग ने ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट के जरिए वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। अमेजन ग्लोबल सेलिंग प्लेटफॉर्म की मदद से कंपनी आज अमेरिका और यूरोप सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेड लिनेन और होम फर्निशिंग उत्पादों का निर्यात कर रही है। कंपनी की इस सफलता को भारतीय एमएसएमई के वैश्विक विस्तार का एक उदाहरण माना जा रहा है। वर्ष 2025-26 में हैंडीक्राफ्ट सहित टेक्सटाइल निर्यात 2.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.16 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। मध्य प्रदेश ने भी वित्त वर्ष 2024-25 में 70,256 करोड़ रुपए के निर्यात के साथ अब तक का सर्वाधिक एक्सपोर्ट दर्ज किया। साल 2008 में स्थापित एसजीआई बेडिंग ने गुणवत्ता, आराम और ग्राहक संतुष्टि को अपनी पहचान बनाया।

एसबीआई ने लांच की 'प्लेटिनम जुबली आशा स्कॉलरशिप 2026'

25 हजार से अधिक मेधावी छात्रों को मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखा एसबीआई फाउंडेशन ने एसबीआई प्लेटिनम जुबली आशा स्कॉलरशिप 2026 की शुरुआत की है। 100 करोड़ रुपए के बजट वाली इस छात्रवृत्ति योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 25,707 मेधावी छात्रों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

एसबीआई के अनुसार, यह देश की सबसे बड़ी कॉरपोरेट छात्रवृत्ति योजनाओं में से एक है। योजना के तहत पात्र छात्रों को उनकी श्रेणी के अनुसार प्रतिवर्ष 15,000 रुपए से लेकर 15 लाख रुपए तक की छात्रवृत्ति मिलेगी। चयनित पाठ्यक्रम की पूरी अवधि तक यह सहायता जारी रहेगी। इस योजना का लाभ विभिन्न शैक्षणिक स्तरों के छात्रों को मिलेगा। इनमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी, एनआईआरएफ की शीर्ष 300 रैंकिंग या एनएएसी 'ए' ग्रेड वाले संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र, एमबीबीएस के विद्यार्थी, आईआईटी और आईआईएम में अध्ययनरत छात्र तथा क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में विदेश में मास्टर डिग्री कर रहे छात्र शामिल हैं। एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने कहा कि यह छात्रवृत्ति भारत की युवा प्रतिभाओं में निवेश के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रति एसबीआई की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एसबीआई लाइफ बना भारतीय पैरा दल का प्रिंसिपल पार्टनर

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार करते हुए 2026 पैरा स्पोर्ट्स सीजन के लिए भारतीय दल का प्रिंसिपल पार्टनर बनने की घोषणा की है। इसके तहत कंपनी आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल पैरा खेल 2026 और आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल 2026 में भाग लेने वाले भारतीय पैरा दल की आधिकारिक लाइफ इंश्योरेंस पार्टनर होगी। कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एवं सीएसआर प्रमुख रवींद्र शर्मा ने कहा कि कंपनी का मानना है कि आत्मविश्वास ही व्यक्ति को जीवन की अनिश्चितताओं का सामना करते हुए अपने सपनों को साकार करने की शक्ति देता है।

नई निसान टेक्टन का अनावरण, शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निसान मोटर इंडिया की नई प्रीमियम सी-एसयूवी निसान टेक्टन के वर्ल्ड प्रीमियर के अवसर पर भोपाल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एम.आर. गौरा अग्निहोत्री, एसबी-2 के सोमर राव, प्रबंध निदेशक कुलदीप समाधिया और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नई निसान टेक्टन की खूबियों और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। कंपनी के अनुसार इसमें टर्बो टी-160 और टर्बो टी-280 इंजन विकल्प उपलब्ध हैं। इसका टॉप वेरिएंट 163 पीएस की पावर और 280 न्यूटन मीटर का टॉर्क प्रदान करता है।

एसयूवी में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ड्यूल क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। निसान के मुख्य प्रदर्शन अधिकारी गुइलॉम कार्टियर ने टेक्टन को भारत में कंपनी की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने कहा कि टेक्टन की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपए रखी है, जबकि इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 18.59 लाख रुपए तक जाती है। इसकी बुकिंग देशभर के अधिकृत निसान डीलरशिप और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शुरू कर दी गई है।

ट्रंप ने फिर फोड़ा टैरिफ बम, भारत पर लगाया 10% शुल्क

हरिभूमि न्यूज :नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर दुनिया पर टैरिफ बम फोड़ा है। भारत समेत 17 देशों पर अतिरिक्त टैक्स लगाकर बड़ा झटका दिया है। अमेरिका अब 17 देशों से आने वाले सामान से 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर वसूलेगा, जो शुक्रवार की रात 12 बजे से लागू हो गया है। अमेरिका ने टैरिफ कुछ 60 देशों पर लगाया है, लेकिन भारत समेत 17 देशों को 10 प्रतिशत वाले टैक्स की कैटेगरी में रखा है, बाकी पर 12.5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। यह फैसला अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने सेक्शन 301 के तहत की गई जांच के बाद लिया है। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं।

बैंक ऑफ इंडिया का पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन

मुंबई। बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करते हुए 3,068 करोड़ रुपये का निवल लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 36.23 प्रतिशत अधिक है। बैंक का परिचालन लाभ भी 25.99 प्रतिशत बढ़कर 5,051 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) 1.01 प्रतिशत और इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) 16.12 प्रतिशत रहा। बैंक का वैश्विक कारोबार 16.57 प्रतिशत बढ़कर 17.55 लाख करोड़ रुपये हो गया। वैश्विक जमाराशि 9.58 लाख करोड़ रुपये तथा वैश्विक अग्रिम 7.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए। घरेलू जमाराशि में 16.15 प्रतिशत और घरेलू अग्रिम में 19.20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा, एमएसएमई और कृषि ऋणों में भी क्रमशः 20.60 प्रतिशत, 19.34 प्रतिशत और 18.92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला। बैंक का सकल एनपीए घटकर 1.81 प्रतिशत और निवल एनपीए 0.51 प्रतिशत रह गया। वहीं, पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) 18.69 प्रतिशत रहा। बैंक के डिजिटल लेन-देन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई और इनकी संख्या 22 प्रतिशत बढ़कर 2.08 बिलियन तक पहुंच गई।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./ 2184/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2026 बीरगांव, दिनांक 24/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैण्ड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रावांभाठा तक सड़क चौड़कीकरण कार्य (निविदा राशि रू. 530.23) लाख के लिए System Tender No 196142 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.OR. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 196142 Bid Start Date 25.07.2026, Bid Due date. 17.08.2026, Physical Submission Last Date 24.08.2026, Open Date 25.08.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड / प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

"जय भारत जय छत्तीसगढ़"
"Say No To Plastic Bags, Save Earth"
"जल है तो कल है" "Use e-mail Save Tree"

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त जिला - जबलपुर
(E-mail: deo.mpedjbp@mp.gov.in PH - 0761-2624358)

विज्ञप्ति जबलपुर, दिनांक 17/07/2026

आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश, ग्वालियर के पत्र क्रमांक/9/लेखा/बजट/2025-26/ई-1163732 ग्वालियर दिनांक 13-07-2026 द्वारा कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त जिला जबलपुर हेतु 07 (सात) वाहन की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त पत्र के पालन में सर्वसाधारण एवं टेक्सी परमिट धारिता वाले ट्रेवल्स एजेंसी/फर्म/वाहन स्वामी की विशेष जानकारी हेतु प्रकाशित किया जाता है कि, कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त, जिला जबलपुर के लिए सम्पूर्ण जबलपुर जिले में आबकारी अपराध नियंत्रण एवं प्रवर्तन कार्य हेतु 07 (सात) चार पहिया वाहनों को वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के लिए अनुबंधित किया जाना है। वाहन अनुबंध की कार्यवाही गठित समिति द्वारा NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in) के माध्यम से की जावेगी। वाहन अनुबंध की कार्यवाही निम्न कार्यक्रम अनुसार सम्पन्न की जावेगी :-

कार्यक्रम स्थल- कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त, जिला - जबलपुर

1	ई-टेण्डर हेतु ऑन-लाईन टेण्डर प्रपत्र डाउनलोड एवं ऑफर सबमिट करने की तिथि एवं समय	दिनांक 18-07-2026 को प्रातः 09:00 बजे से दिनांक 31-07-2026 को दोपहर 02:00 बजे तक।
2	समिति द्वारा ई-टेण्डर खोलने एवं निराकरण किये जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 31-07-2026 को दोपहर 02:05 बजे से कार्यवाही पूर्ण होने तक।

ई-टेण्डर के माध्यम से वाहन अनुबंध की प्रक्रिया, शर्तें एवं निर्बंधन NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in) से डाउनलोड की जा सकती है अथवा कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त जिला जबलपुर में कार्यालयीन दिवस / समय में आकर प्राप्त की जा सकती है। टेक्सी परमिट धारिता वाले एजेंसी / फर्म / वाहन स्वामी ई-टेण्डर की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। उक्त जानकारी पोर्टल (https://mptenders.gov.in) के होमपेज पर लाईव टेंडर के ऑप्शन के अंतर्गत आबकारी विभाग का चयन कर, एडवांस सर्च के माध्यम से जिले को सलेक्ट कर जानकारी प्राप्त कर सकता है। ई-टेण्डर की प्रक्रिया हेतु आवेदक का एमपी टेण्डर्स के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होना एवं डिजिटल सिग्नेचर होना अनिवार्य है। ई-टेण्डर की प्रक्रिया हेतु पोर्टल में पंजीयन करने, भुगतान प्रक्रिया तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु टेंडरदाता NIC के पोर्टल के हेल्प डेस्क नम्बर- 0120-4001 002, 0120-4001005 अथवा 0120-4493395 पर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालयीन समय में जानकारी प्राप्त कर सकता है। साथ ही ई-मेल आई.डी. mptenders@mpsedc-com & support&eproc@nic-in पर सूचित कर आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकता है। उपरोक्त जानकारी जिला कलेक्टर, जबलपुर के कार्यालय के साथ-साथ सहायक आबकारी आयुक्त, जबलपुर व अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कराई गई है।

G-16176/26 "स्वच्छता ही सेवा" **सहायक आबकारी आयुक्त जिला जबलपुर**

कार्यालय नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
Phone & Fax (07160)231007 website- www.npjunnardeo.com email id- cmojunardev.mpurban.gov.in

क्रमांक / 1591 / नपा0 / 2026 **// जेम निविदा सूचना पत्र //** जुन्नारदेव दिनाँक 25/07/2026

समस्त सप्लायर / रजिस्टर्ड फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव द्वारा नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु **Mobile Sanitation Equipment (Toilet) - 5+5 Seater (Portable Toilet)** क्रय किये जाने के लिए जेम पोर्टल पर निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा अंतर्गत 01 नग **Mobile Sanitation Equipment (Toilet) – 5+5 Seater (Portable Toilet)** का क्रय किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक एवं पात्र निर्माता/आपूर्तिकर्ता जेम पोर्टल पर प्रकाशित निविदा का अवलोकन कर निर्धारित शर्तों के अनुसार अपनी ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 08.08.2026 रात्रि 09:00 बजे निर्धारित है तथा निविदा का उद्घाटन 08.08.2026 रात्रि 09:30 बजे किया जायेगा। जेम पोर्टल पर प्रकाशित उक्त निविदा का बिड क्रमांक **GEM/2026/B/7833359** दिनांक 24.07.2026 है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव जिला-छिन्दवाडा

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा, संकेत एवं दूरसंचार विभाग

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा सूचना कमांक :** जबल–एन–सिग, –टेण्डर–2026–25, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** 1. पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के RTZ स्टेशन पर आयु एवं स्थिति के आधार पर विद्यमान PI (Panel Interlocking) को EI (Electronic Interlocking) से प्रतिस्थापित करने हेतु, MSDAC को समानांतर रूप से TC के साथ स्थापित करने के संबंध में इनडोर एवं आउटडोर गियरों के प्रतिस्थापन का सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) कार्य। 2. पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के BRGT स्टेशन पर 02 लोडिंग लाइनों एवं एक शंटिंग नेक (Shunting Neck) के प्रावधान के संबंध में सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) कार्य।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (रु. में) :** रु 83667005.71, **निविदा फार्म की कीमत (रुपये) :** रु.0.00 / –, **कार्यालय का पता :** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, **बयाना राशि रुपये :** रु 1673400 / –, **समापन अवधि (माह) :** 12 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलनें की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 14.08.2026 को 15:00 बजे तक बंद होगी एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे बेबसाइट "https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त बेबसाइट से ओनलाईन आवेदन की जा सकती है।

(हस्ता)
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

RAIPUR GREEN ENERGY PVT. LTD.
(TATA MOTORS)
RE-WI-RE
WE ARE HIRING!
FIELD PURCHASE EXECUTIVES
(SCRAP VEHICLES)
KEY RESPONSIBILITIES
▪ Field visit to find scrap, accidental & old vehicles.
REQUIREMENTS
▪ Graduate ▪ Experience in Secondhand Sales of Automobiles or related field preferred.
EARN MORE WITH PERFORMANCE
Send your Resume on WhatsApp
CALL: 9109952355 OR 9399230747

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वैवाहिकी
उम्र-55 की, दिल बचपन का खैरागढ़ या अन्यत्र किन्तु 36गढ़ स्थित प्रशासनिक सेवारत वाले संयुक्त परिवार की पढ़ी-लिखी सम्भ्रान्त कुलीन वधु चाहिए। अपेक्षक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, हरियाणा के प्रथम सुपर एडमिन, डी.डी.यू. गोरखपुर युनिवर्सिटी के कन्फाइडिंग सुपर एडमिनिस्ट्रेटर, टाइम्स ऑफ इंडिया और पुस्तक महल के रेपिडेक्स इंग्लिश लर्नर तथा भिलाई-दुर्ग रायपुर में संचालित माइंड पॉवर के संचालक होने के साथ ही साथ राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, शंकर नगर रायपुर के कन्सल्टेंट भी रहे।
व्यक्तिगत आमंत्रण
कोहका, पिन- 490023

राशिफल

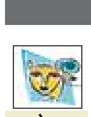
मेष आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

वृष कारोबार से आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव से परेशान हो सकते हैं। खर्चों की अधिकता एवं आय में कमी से चिन्तित रहेंगे।

मिथुन कारोबार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। क्रोध की अधिकता रहेगी।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। कारोबार में सुधार होगा। भाग-दौड़ की अधिकता रहेगी। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

सिंह सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में सौम्यता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी भी आ सकती है। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे।

कन्या शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। खर्च की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

तुला शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में कमी एवं खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में प्रसन्नता के भाव रहेंगे।

वृश्चिक कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा। बातचीत में सन्तुलित रहें।

धनु पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन कष्टमय रहेगा।

मकर आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु परिवार में सामन्जस्य बनाये रखने के प्रयास करें। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि होगी।

कुंभ परिवार का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आ सकती है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं।

मीन परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मन में नकारात्मकता का प्रभाव रहेगा। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 6298

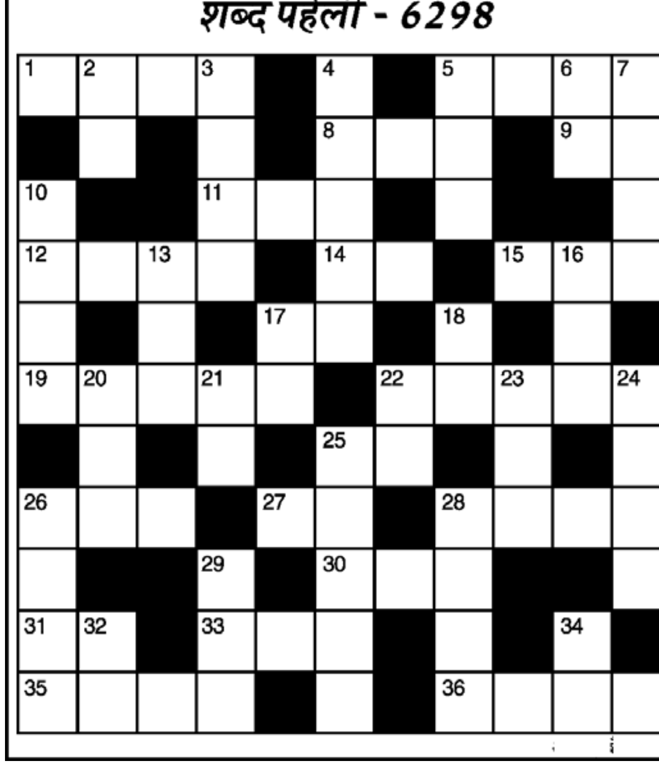

बाएँ से दाए
1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली- 6297 का हल

सूडोकु नवताल - 6308

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

▪ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
▪ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
▪ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
▪ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6307 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

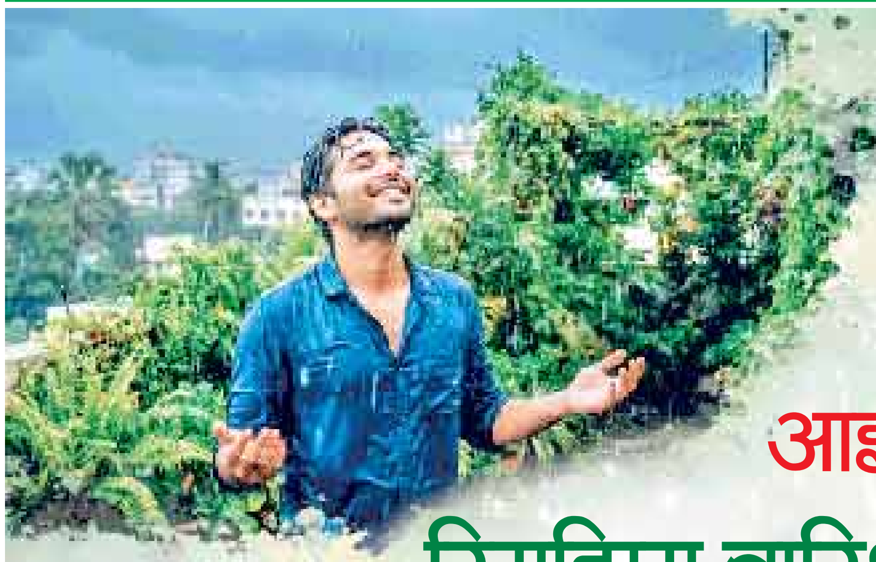

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की

कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों

की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। k

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल

मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। k

गीत

प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। k

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। k

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.
For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

कॉमनवेल्थ गेम्स : बाउल्स में भारत की लगातार तीसरी जीत, रूपा-पिंकी का शानदार प्रदर्शन जारी

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

भारतीय महिला पेयर्स लॉन बाउल्स टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स सेक्शनल प्ले मैच में टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस शानदार जीत में रूपा रानी टिर्की और पिंकी की अहम भूमिका निभाई। यह जीत महिलाओं के पेयर्स कॉम्पिटिशन में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। इससे रूपा रानी टिर्की और पिंकी की सेक्शनल स्टैंडिंग में स्थिति और मजबूत हो गई। उन्होंने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

भारतीय जोड़ी ने गंवाया पहला सेट

भारतीय जोड़ी ने पहला सेट गंवा दिया था। टोंगा ने पहला सेट जीत 1-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार खेल के जरिए जवाब दिया। पिंकी ने रूपा रानी को गाइड किया और एक सटीक बाउल डाला जो जैक के करीब खत्म हुआ, जिससे भारत ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी मोमेंटम को बनाए रखते हुए, भारतीय जोड़ी बाकी सेट पर नियंत्रण रखा और इसे 5-2 से अपने नाम कर लिया और एक और जीत के करीब पहुंच गए। जब मैच बराबरी पर था, उस समय भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। रूपा रानी ने तीन पक्की बॉल फेंकी, जिसने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। फिर पिंकी ने बहुत ही सटीकता से काम पूरा किया, जिससे भारत ने 2-0 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। रूपा और पिंकी का अगला मैच रविवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1 बजे नामीबिया के खिलाफ होगा।

चाड ले क्लॉस ने बनाया रिकॉर्ड, जीता 19वां पदक

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

दक्षिण अफ्रीका के तैराक चाड ले क्लॉस पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में 19वां पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के मिक गाल्ट को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा, 'भले ही मैंने कांस्य पदक जीता लेकिन यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक सात स्वर्ण, चार रजत और आठ कांस्य पदक जीते हैं। वह अपनी इस संख्या को बढ़ा सकते हैं क्योंकि वह 50 और 100 मीटर बटरफ्लाई में भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

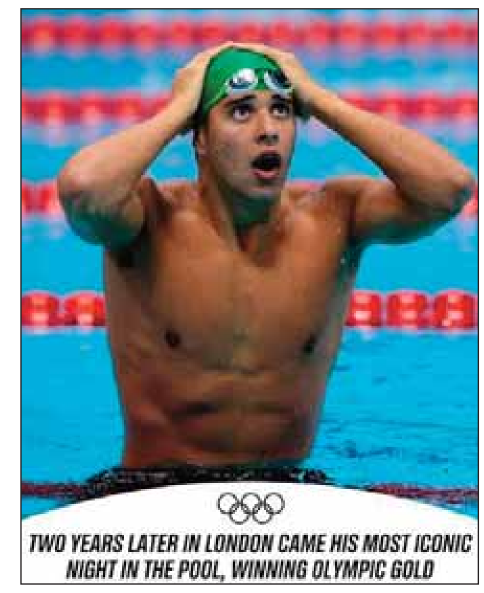

भारतीय तैराकों ने किया निराश

भारतीय तैराकों का राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसमें धक्षन शशिकुमार और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। शशिकुमार ने 'टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर' में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 15वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 16वां स्थान हासिल किया। तीसरी हीट में उतरे शशिकुमार ने प्रतियोगिता के मध्य तक सातवें स्थान पर पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम चरण में अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सके और फाइनल में प्रवेश से वंचित रह गए। चौथी हीट में प्रतिस्पर्धा कर रहे आर्यन शुरुआत से ही पिछड़ गए। मध्य चरण में वह अंतिम स्थान पर थे और अंत तक उसी स्थान पर रहे, जिसके कारण वह भी फाइनल में जगह नहीं बना सके।

खबर संक्षेप

कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बनीं दीक्षा

डंडोनल्ड लिंक्स। दीक्षा डागर दूसरे दौर में वन ओवर 73 का कार्ड खेलकर महिला स्कॉटिश ओपन में कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। अब वह 74-73 के कार्ड के साथ तीन ओवर पर हैं और संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर हैं। प्रणवी उर्स (84-71) 11-ओवर पर रहीं और कट से चूक गईं। अवनि प्रशांत (80-77) भी कट हासिल नहीं कर सकी। दीक्षा ने दूसरे, सातवें और 14वें होल पर बर्डी लगाई लेकिन तीसरे, छठे, 13वें और 15वें होल पर शॉट ड्रॉप भी किए। फिलहाल एलईटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में शीर्ष-10 में शामिल दीक्षा को अगले हफ्ते होने वाले एआईजी वुमेंस ओपन में जगह बनाने के लिए अच्छे नतीजे की जरूरत है।

सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश में भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर। ओम सेमवाल, संदेश रविकुमार और रतिका सीलान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पीएसए सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सेमवाल आठवें वरीय जेम्स पीच से हार गए। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 7-11, 11-6, 7-11, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रविकुमार को दक्षिण कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जियोंगमिन रियू से 9-11, 11-5, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त रतिका छठी वरीयता प्राप्त यू जी चेन से हार गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने 11-7, 12-10, 9-11, 11-0 से जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे शकील

लाहौर। अनुभवी खिलाड़ी सऊद शकील को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली तीन टेस्ट मैचों श्रृंखला के लिए चोटिल अब्दुल्ला फजल की जगह पाकिस्तान की टीम में शामिल किया जा सकता है।

मई में बांग्लादेश में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले फजल शनिवार से तारौबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि फजल को चोट से उबरने के लिए कुछ समय की जरूरत पड़ेगी। शकील को उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए वेस्टइंडीज के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया था।

15 अगस्त से गॉल में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज

अगले सप्ताह टीम इंडिया का ऐलान बुमराह की फिटनेस पर टिकी नजरें

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी और चयन समिति की बैठक में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर गहन चर्चा होने की संभावना है। भारत 15 अगस्त को गॉल में होने वाले पहले टेस्ट मैच से दौरे की शुरुआत करेगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। बुमराह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच से बाहर रहे थे, क्योंकि उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और उसमें सूजन आ गई थी।

बुमराह के फिटनेस पर नजर

इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'हम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन सप्ताह का समय है, इसलिए उनके पास ठीक होने और श्रीलंका में टीम से जुड़ने के लिए पर्याप्त समय है।' भारतीय टीम 4 अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं।

वापसी करने के लिए तैयार जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं अनुभवी कुलदीप यादव और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे।

मानव ने डेब्यू में छोड़ा प्रभाव

मानव ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अपना प्रभाव छोड़ा था। तीसरे स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हो सकते हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे स्पिन विभाग में विकल्प के तौर पर टीम में बने रहेंगे।

चिली के क्लब से जुड़ेंगे केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप में अपने शानदार प्रदर्शन से दुनिया का ध्यान खींचने वाले केप वर्डे के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा अब चिली के मशहूर फुटबॉल क्लब कोलो कोलो से जुड़ने जा रहे हैं। क्लब के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने इस समझौते की पुष्टि की है।

40 वर्षीय वोजिन्हा फिलहाल 'फ्री एजेंट' (किसी भी क्लब से अनुबंध नहीं) हैं। वह अगले कुछ दिनों में मेडिकल जांच के लिए चिली जाएंगे। मेडिकल टेस्ट पूरा होने के बाद उनके साथ आधिकारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे और फिर एस्टाडियो मॉन्यूमेंटल में उन्हें क्लब अपने नए खिलाड़ी के रूप में पेश करेगा। कोलो कोलो के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने बताया कि वोजिन्हा जल्द ही चिली पहुंचेंगे। सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें टीम का हिस्सा बना लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत वोजिन्हा को यह बड़ा मौका मिला है। इसके साथ ही उन्होंने माना कि इस ट्रांसफर से क्लब को खेल के साथ-साथ व्यावसायिक स्तर पर भी फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी इस ट्रांसफर की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कोलो कोलो ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा कर इसके संकेत दे दिए हैं।

विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप

अनाहत ने किया 21 साल का सूखा खत्म, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| ओंटारियो

अनाहत सिंह पिछले 21 वर्ष में विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। अनाहत से पहले भारतीय स्क्वाश की दिग्गज जोशना चिनप्पा ने 2005 में यह उपलब्धि हासिल की थी। दिल्ली की रहने वाली इस शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त बार्ब समेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया। पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कांस्य पदक जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत भारत की पहली जूनियर विश्व स्क्वाश चैंपियन बनने से अब सिर्फ एक कदम दूर हैं। अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैं कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बार्ब के खिलाफ खेली थी और वह बेहद करीबी मैच था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे वास्तव में अच्छा खेलना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया था और मुझे पता था कि मुझे आज यह दिखाना होगा कि मैं क्या कर सकती हूं।'

फाइनल में मुकाबला रुकय्या सलेम से

अनाहत ने कहा, 'मैंने चार विश्व जूनियर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है लेकिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है।' फाइनल में अनाहत का मुकाबला मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुकय्या सलेम से होगा।

काउंटी क्रिकेट डेब्यू में चमके कुलदीप, चटकाए दो विकेट

एजेंसी ▶▶| लंदन

कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में घरेलू लिस्ट ए टूर्नामेंट वन-डे कप में यॉर्कशायर के लिए ग्लेमोर्गन के खिलाफ शानदार डेब्यू किया। उन्होंने 39 रन देकर 2 विकेट लिए। बाएं हाथ के इस चाइना मैन गेंदबाज को पहले नौ ओवर में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने आखिरी ओवर में तीन गेंदों में दो विकेट झटक लिए।

कुलदीप ने 44वां ओवर फेंकते हुए पहली गेंद पर एलेक्स हॉर्टन को आउट किया। दो गेंद बाद जेमी मैक्लरॉय को आउट किया। यॉर्कशायर ने दाएं हाथ के मीडियम पेसर बेंजामिन क्लिफ के 29 रन देकर चार विकेट की मदद से ग्लेमोर्गन को सिर्फ 186 रन पर रोक दिया। कुलदीप ने बल्ले से भी 12 रन बनाए और उनकी टीम ने दो विकेट से मैच जीत लिया। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले आशुतोष शर्मा ने काउंटी में गेंद से धाक जमाई है।

55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

निशानेबाजी में शुभी ने जीत स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| फगवाड़ा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (लपीयू), फगवाड़ा में आयोजित 55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता-2026 में जबलपुर की प्रतिभाशाली निशानेबाज़ शुभी शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर जबलपुर शहर एवं अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

देशभर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से चयनित शीर्ष 75 महिला खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में शुभी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओं को अब स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो उनके खेल करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शुभी शर्मा पिछले चार वर्षों से जबलपुर स्थित 'गन फॉर ग्लोरी' शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्हें वरिष्ठ कोच निशांत नाथवाणी एवं सहायक कोच शक्ति चक्रवर्ती के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर प्रशिक्षण मिल रहा है।

15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में हॉकी विश्व कप

फुल्टन का दावा, विश्व कप में 51 साल का सूखा तोड़ने को तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन विश्व कप में 51 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम इस टूर्नामेंट में इतिहास रचने के लिए तैयार है।

पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन अच्छी तरह जानते हैं कि अगर भारत को 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में पदक का सूखा खत्म करना है तो टीम को अपने प्रदर्शन में

भारत ने विश्व कप में जीते मात्र तीन पदक

8 बार का ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत विश्व कप में अभी तक केवल तीन पदक जीत पाया है। उसने अपना आखिरी पदक स्वर्ण पदक के रूप में 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में जीता था। फुल्टन ने कहा, 'भारत ने आखिरी बार 1975 में यह खिताब जीता था। हमारे लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना और उसे एशियाई खेलों तक बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना भी हमारी प्राथमिकता है।'

प्रत्येक विभाग का अच्छा प्रदर्शन करना अहम

फुल्टन ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि हमें यह अवसर मिला है। इस तरह के टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण मौकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, सही समय पर अपने चरम पर पहुंचना और प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना अहम होता है। हमने पेरिस में यह साबित कर दिया है कि हम कुछ युवा खिलाड़ियों को शामिल करने के बावजूद अनुभवी टीम उतार सकते हैं। हमारे पास अच्छा मौका है और हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं।' उन्होंने कहा, ''मैं भारतीय हॉकी की विरासत से अच्छी तरह से वाकिफ हूं और यह भी जानता हूं कि भारत का विश्व कप में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। हम इसे बदलना चाहेंगे। हम भारतीय हॉकी में अपना इतिहास लिखना चाहेंगे।'

वेल्स, इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ पूल डी में भारत

भारत को विश्व कप में वेल्स, इंग्लैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ पूल डी में रखा गया है और फुल्टन ने कहा कि टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, 'हमारा ग्रुप काफी कड़ा है और हमें वेल्स के खिलाफ पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हमें लय बनाने पर ध्यान देना होगा। हमें टूर्नामेंट के आखिर तक पहुंचने की कोशिश करनी होगी, जहां हमें अपने सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करना होगा।' भारत अभी विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज है और फुल्टन ने विश्व कप और उसके तीन सप्ताह के भीतर होने वाले एशियाई खेलों को अपना लक्ष्य रखा है।

हाईवे पर 'मौत का जाल'...

रेत माफिया और फर्जी डॉक्टर की खौफनाक साजिश का पर्दाफाश

एक माह तक हुई रेकी, दो हाईवा बने 'हथियार', नरसिंहपुर पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा, डॉक्टर अमित खरे समेत आठ गिरफ्तार, तीन आरोपी फरार

हरिभूमि, नरसिंहपुर/जबलपुर। जिस घटना को शुरुआत में एक दर्दनाक सड़क हादसा माना जा रहा था, वह अब प्रदेश के चर्चित आपराधिक षड्यंत्रों में शामिल हो गई है। नरसिंहपुर के हाथीनाला में जबलपुर जिले के बेलखेड़ा निवासी छह युवकों की मौत कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि पूरी पटकथा लिखकर अंजाम दी गई कथित हत्या थी। नरसिंहपुर पुलिस के खुलासे ने इस सनसनीखेज मामले की परतें उधेड़ते हुए रेत माफिया और विवादों से घिरे अस्पताल संचालक के कथित गठजोड़ को उजागर किया है।

पुलिस कप्तान ऋषिकेश मीणा ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि आरोपियों ने करीब एक माह पहले से पूरी साजिश रच रखी थी। मृतकों की लगातार रेकी कराई गई, उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अलग-अलग स्थानों पर लोगों को तैनात किया गया और फिर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो हाईवा वाहनों का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम दिया गया। घटनास्थल से मिले ट्रक के एक पुर्जे ने जांच को नई दिशा दी और पूरा षड्यंत्र सामने आ गया।

आनंद-खरे ने मिलकर बनाई साजिश

कप्तान मीणा ने बताया कि मुख्य सूत्रधार आनंद लोधी (राजपूत) का समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष मृतक एडवोकेट राजेंद्र लोधी से अवैध रेत कारोबार और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद था। पुलिस का दावा है कि इसी दुश्मनी को खत्म करने के लिए हाईवे को हत्या का मैदान बनाया गया। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला नाम मदन महल स्थित स्टार सिटी अस्पताल के संचालक फर्जी डॉक्टर अमित खरे का सामने आया है। पुलिस के अनुसार डॉक्टर अमित खरे और मृतक राजेंद्र लोधी के बीच पैसों के लेन-देन तथा कथित मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) को लेकर विवाद था। आरोप है कि इसी विवाद के बाद अमित खरे ने आनंद लोधी से संपर्क किया और कथित साजिश ने आकार लिया। पुलिस ने अमित खरे सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन आरोपी अब भी फरार हैं। फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

संगीन अपराधों में दर्ज हैं अमित खरे का नाम

खुद को भाजपा नेता बताने वाला फर्जी डॉक्टर अमित खरे का नाम पहले भी कई गंभीर मामलों में सामने आता रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ गढ़ा, तिलवारा, मदन महल, संजीवनी नगर, बेलखेड़ा, शहपुरा तथा पन्ना जिले के पवई थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, जान से मारने की धमकी, धोखाधड़ी सहित कई संगीन अपराध दर्ज हैं। विभिन्न मामलों में वह लंबे समय से विवादों में रहा है।

एम्बुलेंस नेटवर्क के माध्यम से जबरन कराता था भर्ती

अस्पताल संचालन को लेकर भी अमित खरे पर पहले कई आरोप लग चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की जांच में उसके अस्पताल में पड़ोसी जिलों से आने वाले मरीजों को कथित रूप से एम्बुलेंस नेटवर्क के माध्यम से भर्ती कराने और उपचार व बीमा क्लेम से जुड़ी अनियमितताओं की शिकायतों की जांच की गई थी। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की गई जांच में उसकी शैक्षणिक योग्यता और डिग्री को लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे।

फरार आरोपियों की तलाश तेज

पुलिस ने इस मामले में राजा पटेल, अनुज ठाकुर, आनंद लोधी, भारत सिंह, अनिल पटेल, अरविंद्र लोधी, नरेंद्र सिंह और अमित खरे को गिरफ्तार किया है। वहीं अनिल, ऋतुराज और प्रीतम अभी फरार हैं। एसपी ऋषिकेश मीणा का कहना है कि जांच अभी जारी है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस बहुचर्चित हत्याकांड से जुड़े कई अन्य अहम तथ्य भी सामने आ सकते हैं।

वाह विभाग...! वाह लोकायुक्त...!!

चार साल तक फाइल दौड़ती रही, अब सेवानिवृत्ति की दहलीज पर रिश्वत प्रकरण

लोकायुक्त ने पकड़ा, एफआईआर हुई, लेकिन अभियोजन स्वीकृति अब भी अधर में... सवालों के घेरे में पूरा सिस्टम

हरिभूमि, जबलपुर।

हरिभूमि फॉलोअप

कटनी के बहुचर्चित रिश्वत प्रकरण ने एक बार फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2022 में लोकायुक्त द्वारा 60 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह के मामले में चार वर्ष बीतने के बाद भी अभियोजन की स्वीकृति नहीं मिल सकी है। अब जब संबंधित अधिकारी की सेवानिवृत्ति में गिने-चुने दिन शेष बताए जा रहे हैं, तब पूरा मामला फिर चर्चा में है।

सूत्रों के अनुसार अभियोजन स्वीकृति की फाइल पिछले करीब एक माह से नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय में लंबित है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि चार वर्ष बाद भी निर्णय लेने में आखिर किस बात की देरी हो रही है?

चार साल... फिर भी नहीं मिला अंतिम फैसला

लोकायुक्त ने कार्रवाई की...

एफआईआर दर्ज हुई...

जांच पूरी होने की बात कही गई...

लेकिन मामला न्यायिक प्रक्रिया के अगले चरण तक नहीं पहुंच सका।

अब सवाल यह है कि यदि भ्रष्टाचार के मामलों में भी चार-चार साल तक अभियोजन स्वीकृति लंबित रहेगी, तो फिर "जीरो टॉलरेंस" की नीति का संदेश जनता तक कैसे पहुंचेगा?

एक माह से विभाग में फाइल, आखिर किसके हस्ताक्षर का इंतजार?

सूत्र बताते हैं कि अभियोजन स्वीकृति की फाइल लगभग एक माह से विभागीय स्तर पर लंबित है। यदि सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, तो निर्णय क्यों नहीं हो रहा?

क्या किसी अतिरिक्त परीक्षण की आवश्यकता है?

या फिर निर्णय लेने से बचा जा रहा है?

यही सवाल अब प्रशासनिक गलियारों में भी चर्चा का विषय है।

महाप्रबंधक का बयान भी बेअसर

कुछ समय पहले नागरिक आपूर्ति निगम की महाप्रबंधक ऋतू चौहान ने कहा था कि चार्जशीट दाखिल होने से पहले निलंबन का प्रावधान नहीं है। लेकिन अब सवाल यह है कि जब अभियोजन स्वीकृति ही लंबित है, तो चार्जशीट दाखिल होगी कैसे? यदि प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी, तो विभागीय कार्रवाई भी अधर में ही रहेगी।

जनता के पांच सवाल

- चार साल तक अभियोजन स्वीकृति क्यों नहीं मिली?
- फाइल एक माह से विभाग में क्यों लंबित है?
- देरी के लिए जिम्मेदार कौन है?
- क्या सेवानिवृत्ति से पहले निर्णय होगा?
- यदि नहीं, तो जवाबदेही किसकी तय होगी?

चार साल की पूरी कहानी

- मई 2022 – लोकायुक्त ने 60 हजार रुपये की कथित रिश्वत प्रकरण में ट्रैप कार्रवाई की।
- 2022 – एफआईआर दर्ज हुई।
- 2022–2026 – अभियोजन स्वीकृति लंबित रहने की स्थिति।
- 2026 – मामला लगातार सुर्खियों में आने के बाद फाइल मुख्यालय पहुंची।
- अब – सेवानिवृत्ति से पहले भी अंतिम निर्णय का इंतजार।

मध्य भारत मोर्चा का हमला

मध्य भारत मोर्चा ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री और लोकायुक्त को ज्ञापन सौंपा है। संगठन का कहना है कि यदि रंगे हाथों पकड़े गए मामलों में भी वर्षों तक कार्रवाई पूरी नहीं होती, तो इससे भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता का भरोसा कमजोर होता है। संगठन ने अभियोजन स्वीकृति में हुई देरी की जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तथा लंबित मामलों के समयबद्ध निराकरण की मांग की है।

जीरो टारलेंस का अधूरा सपना

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई की सफलता केवल ट्रैप कार्रवाई से नहीं मापी जा सकती। उसकी असली परीक्षा तब होती है जब आरोपी के खिलाफ समयबद्ध अभियोजन, विभागीय कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो। कटनी प्रकरण अब केवल एक अधिकारी का मामला नहीं रह गया है। यह उस प्रशासनिक व्यवस्था की परीक्षा है, जो भ्रष्टाचार पर "जीरो टॉलरेंस" का दावा करती है।यदि रंगे हाथों पकड़े गए मामलों में भी फाइलें वर्षों तक निर्णय का इंतजार करती रहें और आरोपी अधिकारी सेवानिवृत्ति की दहलीज तक पहुंच जाएं, तो जनता का सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कार्रवाई का डर किसे है... और संरक्षण किसे?

रिटायरमेंट पहले या कार्रवाई

अब सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या अभियोजन स्वीकृति से पहले अधिकारी सेवानिवृत्त हो जाएंगे? क्या चार वर्षों तक लंबित रहा मामला रिटायरमेंट के बाद आगे बढ़ेगा?यदि ऐसा होता है तो जनता के मन में यह धारणा और मजबूत होगी कि भ्रष्टाचार के मामलों में समय ही सबसे बड़ा बचाव बन जाता है।

समन-वारंट की तामीली पर हाईकोर्ट संतुष्ट

डीजीपी के शपथ-पत्र के बाद याचिका का निराकरण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने समन, जमानती वारंट और गिरफ्तारी वारंटों की तामीली में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर दायर याचिका का निराकरण कर दिया। सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने डीजीपी के शपथ-पत्र के माध्यम से प्रदेशभर में न्यायालयीन प्रक्रियाओं की तामीली, निगरानी व्यवस्था और लापरवाही पर की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा पेश किया। इससे संतुष्ट होकर जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने रीवा के जेएमएफसी को संबंधित आपराधिक प्रकरण का 30 दिन में निर्णय करने का अनुरोध किया।हाईकोर्ट ने राजकरण तिवारी बनाम मध्यप्रदेश शासन मामले की सुनवाई करते हुए याचिका का निराकरण कर दिया।याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि ट्रायल पूरा हो चुका है, सभी अभियोजन साक्षियों के बयान दर्ज हो गए हैं और केवल अंतिम बहस शेष है। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से उपमहाधिवक्ता यश सोनी ने पुलिस महानिदेशक का विस्तृत शपथ-पत्र पेश किया। इसमें बताया गया कि न्यायालयीन समन और वारंटों की समयबद्ध तामीली के लिए पुलिस मुख्यालय नियमित परिपत्र जारी करता है व वरिष्ठ अधिकारी इसकी निगरानी करते हैं। शपथ-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि रीवा जिले में लापरवाही पाए जाने पर 11 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। हाई कोर्ट के निर्देश पर प्रदेशभर में लंबित जमानती और गिरफ्तारी वारंटों का वर्षवार विवरण, 22 फरवरी, 2022 के परिपत्र के अनुपालन की रिपोर्ट तथा विभिन्न पुलिस जोन से प्राप्त जानकारी भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई।

एसडीओ के आदेश पर हाई कोर्ट की रोक

विवादित भूमि पर यथास्थिति रखने के निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने टीकमगढ़-निवाड़ी जिले के एक भूमि विवाद में महत्वपूर्ण अंतरिम राहत दी है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने इसके तहत एसडीओ के उस आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है, जिसके आधार पर विवादित भूमि विरोधी पक्ष के नाम दर्ज किए जाने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने सभी पक्षों को अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है।याचिकाकर्ता जगदीश अहिरवार सहित अन्य ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि विरोधी पक्ष ने विवादित भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया था। इसके बाद एसडीओ, टीकमगढ़-निवाड़ी ने 15 अप्रैल, 2026 को पारित आदेशके माध्यम से उक्त भूमि विरोधी पक्ष के पक्ष में दर्ज करने के निर्देश दिए। याचिकाकर्ताओं ने इस आदेश को कानून विरुद्ध बताते हुए हाई कोर्ट में चुनौती दी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रवीण कुमार वर्मा व डा. ज्योति वर्मा ने दलीलें प्रस्तुत कीं। प्रारंभिक सुनवाई के बाद न्यायालय ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए व सात कार्य दिवस के भीतर प्रक्रिया शुल्क जमा करने को कहा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि 15 अप्रैल, 2026 के आदेश का प्रभाव व क्रियान्वयन अगली सुनवाई तक स्थगित रहेगा तथा सभी पक्ष वर्तमान स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे। मामले की अगली सुनवाई सितंबर के प्रथम सप्ताह में निर्धारित की गई है।

सूने घर में चोरी करने वाले को दो साल की सजा

जबलपुर। गोसलपुर क्षेत्र में सूने घर का ताला तोड़कर जेवरात और नकदी चोरी करने के मामले में जेएमएफसी कोर्ट ने आरोपी मनीष कुशवाहा को दोषी ठहराया। कोर्ट ने उसे दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। 500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अभियोजन की ओर से एडीपीओ राजकुमार शर्मा ने बताया कि फरियादी शीला पटेल के सूने मकान का ताला तोड़कर 9 जून 2025 को आरोपित ने सोने-चांदी के जेवरात व एक लाख रुपये नकद सहित लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया था। मामले की जांच के दौरान गोसलपुर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपित मनीष कुशवाहा और उसके साथी लाले उर्फ आशीष कुशवाहा को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी गए जेवरात और नगदी भी बरामद कर ली थी। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने मनीष कुशवाहा को दोषी करार देते हुए दो वर्ष के कारावास तथा 500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

ई-बसों से बदलेगा शहर का सार्वजनिक परिवहन

प्रधानमंत्री ई-बसे 15 अगस्त से सड़कों पर उतरेगी

जबलपुर। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था जल्द ही एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत जबलपुर को मिलने वाली इलेक्ट्रिक बसों का पहला जत्था शहर पहुंचना शुरू हो गया है। अब तक 8 आधुनिक इलेक्ट्रिक बसें जबलपुर पहुंच चुकी हैं, जबकि इस माह के अंत तक इनकी संख्या बढ़कर 20 बसों तक पहुंचने की उम्मीद है।नगर निगम ने इन बसों को 15 अगस्त से शहर की सड़कों पर उतारने की तैयारी कर ली है। पहले चरण में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन रेलवे स्टेशन–भेड़ाघाट, रेलवे स्टेशन–गौरीघाट, रेलवे स्टेशन–पनागर और आईएसबीटी–रांझी सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर किया जाएगा। इससे यात्रियों को आरामदायक, प्रदूषणमुक्त और आधुनिक यात्रा सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत जबलपुर को तीन चरणों में 100 बसें प्राप्त होनी थीं और पहले चरण में 40, दूसरे चरण में 35 तथा तीसरे चरण में 25 बसें आनी थीं लेकिन पहले चरण में कटौती कर 40 की जगह सिर्फ 20 बसें भेजी जा रही हैं जिससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि जितनी बसों का कोटा निर्धारित किया गया है, उतनी बसें तीन चरणों में नहीं आ पाएंगी।जबलपुर सिटी बस सर्विस से जुडे जानकारों का दावा है कि जबलपुर के कोटे की सभी 100 बसें नवंबर से दिसंबर के बीच उपलब्ध करा दी जाएंगी लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब हर माह 20 बसें उपलब्ध कराई जाएं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240